Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 122
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-सोमवार,01 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 भाजपा के लोग बस देश का क्षेत्रफल बता दें, अखिलेश 4 चिकित्सा और शिक्षा मुनाफे का खेल 5 बिग बॉस 14 फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली को हुआ

मन की बात

यूपीएससी में चूके होनहारों को 'प्रतिभा सेतु' से निजी क्षेत्र में अच्छे अवसर :मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी परीक्षाओं में मामूली अंकों से कई होनहार युवा चयनित सूची में जगह नहीं पाते हैं इसलिए इन प्रतिभाओं के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म 'प्रतिभा सेतु' बनाया गया है ताकि इन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 125वीं कड़ी में रविवार को कहा कि इन परीक्षाओं की तैयारी सभी बच्चे कड़े परिश्रम से करते हैं लेकिन कई होनहार युवा मामूली अंतर से चयनित सूची से बाहर हो जाते हैं। इन प्रतिभाओं का देश के विकास में उपयोग हो इसलिए 'प्रतिभा सेतु' डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया है ताकि इन होनहार युवकों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिल सकें। इन सभी प्रतिभाओं को प्रतिभा सेतु का लाभ उठाना चाहिए और कई युवाओं को इसका लाभ मिलना भी शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा आपने यूपीएससी का नाम तो जरूर सुना होगा। ये संस्था देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक सिविल सेवा परीक्षा भी लेती है। हम सबने सिविल सेवा के टॉपर्स की प्रेरणादायी बातें अनेक बार सुनी हैं। ये नौजवान कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई के बाद अपनी मेहनत से इस सेवा में जगह पाते हैं। लेकिन यूपीएससी की परीक्षा की एक सच्चाई और भी है। हजारों ऐसे उम्मीदवार भी होते हैं, जो बेहद काबिल होते हैं, उनकी मेहनत भी किसी से कम नहीं होती, पर मामूली अंतर से वो अंतिम सूची तक नहीं पहुंच पाते। इन उम्मीदवारों को दूसरी परीक्षाओं के लिए नए सिरे से तैयारी करनी पड़ती है। इसमें उनका समय और पैसा दोनों खर्च होता था। इसलिए अब ऐसे होनहार विद्यार्थियों के लिए भी एक डिजिटल प्लेटफार्म बनाया गया है और इसका नाम प्रतिभा सेतु है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सेतु में उन उम्मीदवारों का डेटा रखा गया है जिन्होंने यूपीएससी की अलग-अलग परीक्षाओं के सभी चरण पास किए हैं लेकिन अंतिम मेरिट सूची में मामूली अंतर के कारण उनका नाम नहीं आ पाता। इस पोर्टल पर दस हजार से ज्यादा ऐसे होनहार युवाओं का डाटा बैंक है। कोई यूपीएससी की प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहा था, कोई इंजीनियरिंग सेवा में जाना चाहता था, कोई चिकित्सा सेवा के हर पड़ाव को पार कर चुका था लेकिन फाइनल में उसका चयन नहीं हुआ, तो ऐसे सभी उम्मीदवारों की जानकारी अब प्रतिभा सेतु पोर्टल पर उपलब्ध कराई जा रही है। इस पोर्टल से निजी कंपनियां इन होनहार छात्रों की जानकारी लेकर उन्हें अपने यहां नियुक्ति दे सकती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा इस प्रयास के नतीजे भी आने लगे हैं। सैकड़ों उम्मीदवारों को इस पोर्टल की मदद से तुरंत नौकरी मिली है और वो युवा जो मामूली अंतर से रह गये थे, अब नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

लखनऊ में पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोटः सात की मौत की खबर

सीएम योगी ने लिया घटना का संज्ञान

● राजधानी में पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट से सात लोगों के मरने की आशंका है। जबकि पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं। फिल्मी स्टाइल में भवन उड़ा। देखकर लोगों के दिल दहल गए।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। आवाज सुनकर लोग घरों से निकलकर मौके की तरफ भागे। स्थानीय लोगों ने अंदर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास शुरू किया। घटना गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा इलाके की है। उधर, पुलिस और एंबुलेंस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस, एंबुलेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल लोगों को अस्पताल भेजा। घटना में करीब सात लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। राहत बचाव कार्य जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी समेत कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को राधा अष्टमी पर्व की बधाई दी

मथुरा। अधिकारियों के अनुसार मथुरा बरसाना स्थित श्री राधारानी मंदिर में 30 अगस्त से शुरू हुए इस दो दिवसीय उत्सव में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को प्रदेशवासियों को राधा अष्टमी पर्व की बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा, पावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! निष्काम प्रेम, करुणा व भक्ति की साक्षात स्वरूप श्री राधा रानी जी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है।जय श्री राधे! उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, पावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को अनंत शुभकामनाएं! मौर्य ने कहा, प्रेम, भक्ति और करुणा की अविनाशी ज्योति श्री राधारानी जी के चरणों में कोटि कोटि नमन। उनकी कृपा से हम सभी के जीवन में शांति, सुख एवं समृद्धि का प्रवाह बना रहे। जय श्री राधे! उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एक्स पर पोस्ट में कहा, आप सभी को पावन पर्व राधा अष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। अधिकारियों के अनुसार मथुरा बरसाना स्थित श्री राधारानी मंदिर में 30 अगस्त से शुरू हुए इस दो दिवसीय उत्सव में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। पर्व का मुख्य आयोजन आज सुबह से ही शुरू हो गया है।

एसआईआर के बाद बिहार के सभी मतदाताओं को नए मतदाता पहचान पत्र जारी करेगा निर्वाचन आयोग

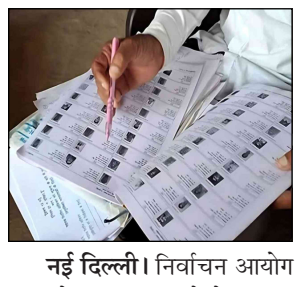

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची को लेकर जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के पूरा होने के बाद राज्य के सभी मतदाताओं को नए मतदाता पहचान पत्र जारी करने की योजना बना रहा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि नए मतदाता पहचान पत्र कब जारी किए जाएंगे, इस पर निर्वाचन प्राधिकरण द्वारा अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। अधिकारियों ने कहा कि बिहार के प्रत्येक मतदाता को एक नया मतदाता पहचान पत्र जारी करने की योजना है, लेकिन यह प्रक्रिया कब और कैसे पूरी की जाएगी इस पर अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। जब मतदाताओं को गणना प्रपत्र दिए गए तो उनसे भरे हुए दस्तावेज अपनी नवीनतम तस्वीर के साथ जमा करने को कहा गया। नयी तस्वीर का उपयोग रिकॉर्ड को अद्यतन करने और नए मतदाता पहचान पत्र जारी करने के लिए किया जाएगा। एक अगस्त को प्रकाशित बिहार की मसौदा मतदाता सूची के अनुसार राज्य में 7.24 करोड़ मतदाता हैं।

अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी और राज्य में विधानसभा चुनाव नवंबर में होने की संभावना है। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और उससे पहले नए सदन का गठन करना होगा। निर्वाचन आयोग के अनुसार अब तक गणना फॉर्म भरने वालों में से 99 प्रतिशत ने अपने दस्तावेज जमा कर दिए हैं। लगभग 30,000 लोगों ने मतदाता सूची में शामिल होने के लिए याचिका दायर की है क्योंकि उनके नाम मसौदा सूची से गायब थे। इसके अलावा बिहार पहला राज्य बन गया है ।

संक्षिप्त खबरे

एयर इंडिया की हुई इमरजेंसी लैंडिंग, इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली लौटा विमान

नई दिल्ली। एयर इंडिया की दिल्ली से इंदौर जा रही एक उड़ान को रविवार सुबह टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली वापस लौटना पड़ा जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। सूत्रों ने बताया कि विमान में 90 से ज्यादा यात्री सवार थे। फ्लाइट एआई2913 के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग की चेतावनी मिली। एहतियात बरतते हुये उस इंजन को बंद कर दिया गया और विमान को एक ही इंजन पर दिल्ली वापस लाया गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 6.15 बजे एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। एयर इंडिया ने घटना पर खेद व्यक्त करते हुये एक बयान में कहा कि विमान को निरीक्षण के लिए ग्राउंड कर दिया गया है और यात्रियों को दूसरे विमान से इंदौर भेजने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही नागर विमानन नियामक डीजीसीए को इसकी सूचना दे दी गयी है।

मोदी-चीन की नजदीकी पर संजय सिंह ने उठाए सवाल, गद्दारी के लगाए इल्जाम

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और सांसद संजय सिंह ने मोदी भक्तों और गोदी मीडिया पर देश के साथ गद्दारी का इल्जाम लगाया है। दरअसल मोदी की चीन यात्रा पर गुणगान करने वालों पर संजय सिंह ने सवाल उठाए हैं। एक पोस्ट में संजय सिंह ने लिखा-मोदी ने 6 वर्षों में चीन को 40 लाख करोड़ का व्यापार दिया। धोखेबाज चीन ने गलवान घाटी में 20 जवान मार दिया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान खुले आम पाकिस्तान को मिसाइल और हथियार दिया।

कानपुर देहात में 3 युवकों की जहरीली गैस के कारण मौत

कानपुर। कानपुर देहात जिले के अकबरपुर क्षेत्र में एक नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस के प्रभाव से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। कानपुर देहात जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरविंद मिश्रा ने पुष्टि की कि नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस के कारण तीन लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि एक अन्य व्यक्ति का उपचार किया जा रहा है ।

नोएडाः इस्कॉन मंदिर में आज राधाष्टमी के उपलक्ष्य पर श्रद्धालुओ की उमड़ी भीड़

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 33 इस्कॉन मंदिर में आज राधाष्टमी के उपलक्ष्य पर श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के 15 दिन बाद राधाष्टमी के अवसर नोएडा इस्कॉन मंदिर सजधज कर तैयार होता है जहां सुबह से विदेशी भक्तों सहित हजारों की संख्या में पूजा के लिए भीड़ बढ़ती रहती है। नोएडा इस्कॉन मंदिर परिसर में महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के सुगंधित फूलों से मालाएं तैयार की जाती है जो राधाष्टमी आरती के समय श्रीकृष्ण और राधा जी को पहनाई जाती हैं इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन होता है। आरती के उपरांत इस्कॉन मंदिर में राधा बनकर आई युवतियां रास लीलाओं का मंचन करती हैं इस दृश्य के नाट्य रूपांतरण से मौजूद हजारों श्रद्धालु नृत्य करने लगते हैं परिसर भक्ति गीत और तालियां से गूंज उठता है। इस आयोजन के तहत सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी सहित पुलिस प्रशासन की मौजूदगी रहती है। मंदिर के आस पास यातायात सुचारू रखने में यातायात पुलिस द्वारा सहयोग किया जाता है।

पीएम मोदी से बोले शी जिनपिंग

भारत और चीन के बीच दोस्ती सही विकल्प है

तियानजिन। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से रविवार को कहा कि दोनों देशों का मित्र बनना सही विकल्प है तथा हाथी (भारत) एवं ड्रैगन (चीन) को एक-दूसरे की सफलता का मिलकर जश्न मनाना चाहिए। दोनों नेताओं के बीच यह वार्ता शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर हुई। शी ने कहा, हम दोनों (देशों) के कंधों पर अपने लोगों के भले के लिए काम करने, विकासशील देशों का कायाकल्प करने एवं उनकी एकजुटता को बढ़ावा देने और मानव समाज की प्रगति को गति देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है। भारत और चीन के बीच दोस्ती सही विकल्प है, उन्होंने कहा, दोनों के लिए यह सही विकल्प है कि वे ऐसे दोस्त बनें जिनके बीच अच्छे पड़ोसियों वाले और सौहार्दपूर्ण संबंध हों, वे ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में सहायक हों और ड्रैगन और हाथी एक साथ नृत्य करें जिनपिंग ने मोदी से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और चीन को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखना चाहिए। शी जिनपिंग ने कहा, दोनों पक्षों को अपने संबंधों को रणनीतिक ऊंचाइयों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना एवं संभालना होगा ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों का निरंतर, मजबूत और स्थिर विकास हो सके। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, शी ने मोदी से कहा कि चीन और भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी हैं तथा दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास के अवसर हैं।

उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा नीतियों पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा कि दोनों देशों को बहुपक्षवाद को बनाए रखना चाहिए। शी ने कहा कि भारत और चीन को एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था बनाने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए भी काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें बहुपक्षवाद को बनाए रखने, एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए मिलकर काम करने और एशिया एवं दुनिया भर में शांति और समृद्धि में उचित योगदान देने की अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी को भी आगे बढ़ाना होगा।

अखिलेश का तंज, चीन पर निर्भरता से उद्योगों पर संकट

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री के चीन दौरे को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भारत की बढ़ती निर्भरता ने देश के उद्योगों, कारखानों और दुकानों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि तथाकथित आत्मनिर्भर, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का चिंताजनक सच। चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है। उन्होंने आगे लिखा कि भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे। पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा। इससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे। सपा मुखिया ने लिखा कि उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा। घ्घसके बाद मनमाने दाम पर हर चीज सप्लाई करेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि उसके बाद महंगाई-बेरोजगारी बढ़ाएगा। उसके बाद जब महंगाई-बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खघ्लिाफ आक्रोश भी कई गुना बढ़ जाएगा। उसके बाद दूसरों के सहारे पर चल रही, बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी। उन्होंने कहा कि उसके बाद खघ्द ही लड़खड़ाती भाजपा की सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पायेगी ३ उसके बाद हमारी भूमि पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा। उसके बाद भाजपा दोहराएगी कि न कोई न कोई अगर ये बात ड्रोनवालों को समझ नहीं आ रही है तो उत्तर प्रदेश में विराजमान बुलडोजर वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब दे देंकि चीन द्वारा हमारी कितनी जमीन हड़प ली गयी है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी तो चीनी कब्जे का शिकार हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें। मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी कब्जे के बाद घट गयी है। दिल्ली वाले न सही तो लखनऊ वाले पलायन स्पेशलिस्ट ही बता दें कि हमारी कितनी भूमि का पलायन हो गया है, वैसे जनता ये बखूबी समझती है कि भूमि का पलायन थोड़े ना होता है, जो वो चलकर कहीं चली गयी होगी।

मराठा आरक्षण : मनोज जरांगे पाटिल की भूख हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

मुंबई। कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में मराठा आरक्षण आंदोलन रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा, क्योंकि राज्य द्वारा नियुक्त सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ पहले दौर की वार्ता विफल रही। जरांगे अपनी मांग पर अड़े रहे कि मराठों को आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए उन्हें कुनबी के रूप में वर्गीकृत किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब तक सरकार कोई जवाब नहीं देती, तब तक वह अपना आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। इससे पहले पाटिल ने घोषणा की थी कि जब तक राज्य सरकार समुदाय की आरक्षण की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा नहीं करती, तब तक वह पीछे नहीं हटेंगे। इस बीच आजाद मैदान में भारी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है। हमेशा की तरह, पाटिल सुबह जल्दी उठे और अपने कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की। एक रिपोर्ट के अनुसार एक उच्च-स्तरीय राज्य प्रतिनिधिमंडल आज आजाद मैदान में पाटिल से मिलने वाला है, क्योंकि राधाकृष्णन विखे-पाटिल की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति की कल देर रात मुंबई स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक हुई थी। सूत्रों ने बताया कि संभावना है कि राज्य और प्रदर्शनकारी आज किसी निष्कर्ष पर पहुँचेंगे और आज दोपहर तक इस संबंध में एक सकारात्मक घोषणा की जाएगी। हालाँकि, पाटिल ने अपनी माँग जारी रखी कि राज्य सरकार तुरंत यह रिपोर्ट दे कि मराठवाड़ा के मराठा कुनबी हैं, इस पर एक सरकारी प्रस्ताव जारी करे और कल से ही कुनबी प्रमाण पत्र वितरित करना शुरू कर दे।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-सोमवार ,01 सितम्बर 2025

बस्ती स्टेशन में वेटिंग रूम की सफाई करती हुई सफाई मित्र

गोरखपुर, 31 अगस्त, 2025: रेलवे प्रशासन द्वारा देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। भारतीय रेल पर 16 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2025 तक द्वितीय चरण में आयोजित स्वच्छता अभियान के सोलहवें दिन पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडलों पर स्टेशनों, ट्रेनों, आवासीय कॉलोनियों, डिपो एवं कारखानों में स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में, 31 अगस्त, 2025 को लखनऊ मंडल के गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, लखनऊ जं. तथा ऐशबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके अभियान के दौरान स्टेशनों, टेज्नों, सकुर्लेटिंग एरिया, रेलवे ट्रैक के किनारों, कार्यालय, वेटिंग रूम एवं रिटायरिंग रूम आदि की गहन सफाई की गई तथा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। स्टेशनों पर यात्री उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को साफ-सफाई रखने तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की गई। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ तथा प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता कर्मियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया, साथ ही टेज्नों और स्टेशनों पर कीटाणु नियंत्रण के लिये कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। स्टेशनों पर जल परीक्षण कर उसकी शुद्धता जाँची गई तथा वाटर बूथ, वाटर कूलर एवं वाटर वेंडिंग मशीनों की सफाई कराई गई। इसी क्रम में, कार्यालयों, वेटिंग हॉल, डॉरमेट्री आदि स्थानों की गहन सफाई की गई। स्टेशनों एवं टेज्नों में यात्री उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को टेज्नों एवं स्टेशन परिसर को स्वच्छता बनाये रखने एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिये जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के बरेली सिटी, पीलीभीत, लालकुआँ, कासगंज, काशीपुर, काठगोदाम, हल्द्वानी फर्रुखाबाद एवं रुद्रपुर सिटी आदि स्टेशनों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके अन्तर्गत स्टेशन परिसर के सकुर्लेटिंग एरिया, कार्यालयों, रिटायरिंग रूम, प्रतीक्षालयों एवं टेज्नों के कोचों में गहन सफाई की गई तथा स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाये रखने हेतु पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया गया। कोचिंग डिपो, टनकपुर में ट्रेनों की गहन सफाई कराई गई।

रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त पदभार 01 सितम्बर,2025 को ग्रहण करेंगे

गोरखपुर,: उदय बोरवणकर, महानिदेशक, आरडीएसओ ने पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त पदभार 01 सितम्बर,2025 को ग्रहण करेंगे। श्री बोरवणकर भारतीय रेल प्रबंधन सेवा के अधिकारी हैं। वाराणसी से प्रारंभिक शिक्षा के उपरांत आप 1985 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिष्ठित स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस के लिए चयनित हुए। भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग संस्थान, जमालपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद पश्चात आपने मुंबई से स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) की डिग्री प्राप्त की। आपने आईआईटी, खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद एवं बोक्कोनो स्कूल ऑफ बिजनेस (मिलान) से बिजनेस मैनेजमेंट तथा ग्राज विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया से सिविल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। बोरवणकर ने मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, रेलवे बोर्ड तथा प्रतिनियुक्ति पर खान मंत्रालय एवं महा मेट्रो में पिछले 35 वर्षों में अनेक चुनौतीपूर्ण पदों पर उत्कृष्ट सेवाएँ दी हैं। अपर मंडल रेल प्रबंधक/नागपुर, रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, नागपुर मेट्रो में परिचालन एवं प्रबंधन के प्रभारी, मंडल रेल प्रबंधक/भोपाल तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। अगस्त 2024 से आरडीएसओ के महानिदेशक के रूप में आप भारतीय रेल में आधुनिक तकनीक के समावेश के अग्रदूत रहे हैं और कवच, वंदे भारत ट्रेनें, हाइड्रोजन ट्रेन, एआई एवं ड्रोन आधारित तकनीक डास (डी.ए.एस.)जैसे महत्वपूर्ण अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं। उदय बोरवणकर एक अच्छे पाठक, प्रख्यात वक्ता हैं और उन्हें जैविक खेती, फोटोग्राफी तथा भारतीय संगीत में विशेष रुचि है। तकनीकी और प्रबंधकीय नेतृत्व के साथ ही आपने पर्यावरण संरक्षण, हरित ऊर्जा और गुणवत्ता प्रणाली प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

खिलाड़ियों एवं कोचों के साथ महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह

गोरखपुर, 31 अगस्त, 2025: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में मेजर ध्यानचंद जी के जन्मदिन पर प्रतिवर्ष मनाये जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में अनेक प्रतियोगिता आयोजित की गईं। इसी क्रम में, 31 अगस्त, 2025 को बास्केटबॉल (महिला एवं पुरुष वर्ग), फुटबॉल (पुरुष वर्ग) एवं एथलेटिक्स (बालक एवं बालिका वर्ग) में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। बास्केटबॉल में पूर्वोत्तर रेलवे रेड एवं पूर्वोत्तर रेलवे ब्लू के बीच खेले गये मैच में पूर्वोत्तर रेलवे रेड विजेता रहा। फुटबॉल में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम एवं सद्भावना क्लब, गोरखपुर के मध्य खेला गया मैच 1-1 की बराबरी पर ड्रा रहा। एथलेटिक्स के बालक एवं बालिका वर्ग में 1,600 मीटर दौड़ में एक से छठवें स्थान तक आने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में खेल प्रेमी एवं रेलकर्मी उपस्थित थे, जिन्होंने खेल का भरपूर आनन्द लिया।

एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्रियों की सुविधा हेतु 03527/03528 आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन आसनसोल से 26 सितम्बर, 03, 10, 17, 24 एवं 31 अक्टूबर तथा 07 नवम्बर, 2025 प्रत्येक शुक्रवार को तथा गोरखपुर से 27 सितम्बर, 04, 11, 18 एवं 25 अक्टूबर तथा 01 एवं 08 नवम्बर, 2025 प्रत्येक शनिवार को 07 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 03527 आसनसोल-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 26 सितम्बर, 03, 10, 17, 24 एवं 31 अक्टूबर तथा 07 नवम्बर, 2025 प्रत्येक शुक्रवार को आसनसोल से 13.20 बजे प्रस्थान कर चितरंजन से 13.44 बजे, जामताड़ा से 13.59 बजे, मधुपुर से 14.27 बजे, जसीडीह से 14.49 बजे, झाझा से 16.30 बजे किऊल से 17.11 बजे, बरौनी से 19.25 बजे, शाहपुर पटोरी से 20.27 बजे, हाजीपुर से 21.20 बजे, सोनपुर से 21.32 बजे, छपरा से 23.20 बजे दूसरे दिन सीवान से 00.15 बजे, भटनी से 00.57 बजे तथा देवरिया सदर से 01.27 बजे छूटकर गोरखपुर 03.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 03528 गोरखपुर-आसनसोल साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर, 04, 11, 18 एवं 25 अक्टूबर तथा 01 एवं 08 नवम्बर, 2025 प्रत्येक शनिवार को गोरखपुर से 06.30 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 07.28 बजे, भटनी से 07.57 बजे, सीवान से 08.40 बजे, छपरा से 09.45 बजे, सोनपुर से 10.50 बजे, हाजीपुर से 11.05 बजे, शाहपुर पटोरी से 11.47 बजे, बरौनी से 13.30 बजे, किऊल से 15.02 बजे, झाझा से 17.35 बजे, जसीडीह से 18.08 बजे, मधुपुर से 18.34 बजे जामताड़ा से 19.04 बजे तथा चितरंजन से 19.18 बजे छूटकर आसनसोल 20.45 बजे पहुँचेगी।

पटना में प्रसूता की मौत...बलिया में हंगामा, अस्पताल बंद कर भागे डॉक्टर-कर्मी

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की प्रसूता को पटना स्थित निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया था। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजन बैरिया पहुंचे और उस अस्पताल के बाहर हंगामा करने लगे, जहां से पटना भेजा गया था। बलिया के बैरिया कस्बा स्थित एक निजी अस्पताल पर प्रसूता की मौत का आरोप लगाकर परिजनों ने हंगामा कर दिया। अस्पताल कर्मचारी भाग खड़े हुए। इसके बाद परिजन थाना पहुंच लापरवाह चिकित्सक पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। पुलिस ने समझा बुझाकर मामले को शांत किया। शव को पोस्टमार्टम को भेजवाया। नगर पंचायत के जगदेव गांव निवासी सूरज पासवान की पत्नी अनीशा देवी (25) को 19 अगस्त को प्रसव पीड़ा होने के पर परिजन कस्बा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां ऑपरेशन के बाद हालत खराब होने पर चिकित्सक ने प्रसूता को अपने जान-पहचान के पटना स्थित निजी अस्पताल रेफर कर दिया। वहां भर्ती कर इलाज कर रहे थे, शनिवार को हालत बिगड़ने के अनीशा की मौत हो गई। परिजन शव लेकर बैरिया कस्बा स्थित अस्पताल पहुंचे जहां कर्मचारी अस्पताल छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद परिजन थाना पहुंचे निजी चिकित्सक की लापरवाही से ऑपरेशन के दौरान नस काटने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। थाना प्रभारी मूलचंद चौरसिया ने लापरवाह चिकित्सक पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। परिजनों को समझा कर शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ-2025

आगामी त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

04203/04204 लखनऊ – नई दिल्ली – लखनऊ आरक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 20 फेरे

गाड़ी सं. 04203		स्टेशन	गाड़ी सं. 04204	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08:05	लखनऊ	06:35	---
18:30	---	नई दिल्ली	---	20:20

चलने के दिन : **04203 लखनऊ** तथा **04204 नई दिल्ली** से दिनांक 22.09.2025 से 24.11.2025 तक (प्रत्येक सोमवार)
ठहराव : शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता. सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

04008/04007 आनंद विहार (ट) – जोगबनी – आनंद विहार (ट) आरक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 22 फेरे

गाड़ी सं. 04008		स्टेशन	गाड़ी सं. 04007	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08:30	आनंद विहार (ट)	03:00	---
17:00	---	जोगबनी	---	18:30

चलने के दिन : **04008 आनंद विहार (ट)** से दिनांक 20.09.2025 से 29.11.2025 तक (प्रत्येक शनिवार) तथा **04007 जोगबनी** से दिनांक 21.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रत्येक रविवार)
ठहराव : गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, आलम नगर, उत्तरेटिया जं., रायबरेली जं., मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., वाराणसी, औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा जं., सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नवगछिया, कटिहार जं., पूर्णिया जं., अररिया कोर्ट एवं फारबिसगंज स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता. सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

04010/04009 दिल्ली जं. – सीतामढ़ी – दिल्ली जं. आरक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 18 फेरे

गाड़ी सं. 04010		स्टेशन	गाड़ी सं. 04009	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	23:05	दिल्ली जं.	23:58	---
22:30	---	सीतामढ़ी	---	23:55

चलने के दिन : **04010 दिल्ली जं.** से दिनांक 02.10.2025 से 27.11.2025 तक (प्रत्येक गुरुवार) तथा **04009 सीतामढ़ी** से दिनांक 03.10.2025 से 28.11.2025 तक (प्रत्येक शुक्रवार)
ठहराव : गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा जं., गोरखपुर, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनियाँ स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य।

04022/04021 नई दिल्ली – गोरखपुर – नई दिल्ली आरक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 20 फेरे

गाड़ी सं. 04022		स्टेशन	गाड़ी सं. 04021	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	14:00	नई दिल्ली	23:10	---
05:00	---	गोरखपुर	---	07:00

चलने के दिन : **04022 नई दिल्ली** से दिनांक 19.09.2025, 03, 10, 17, 24, 31.10.2025, 07, 14, 21 एवं 28.11.2025 (प्रत्येक शुक्रवार) तथा **04021 गोरखपुर** से दिनांक 20.09.2025, 04, 11, 18, 25.10.2025, 01, 08, 15, 22 एवं 29.11.2025 (प्रत्येक शनिवार)
ठहराव : गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ जं., गोंडा जं. एवं बस्ती स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

04060/04059 आनंद विहार (ट) – जयनगर – आनंद विहार (ट) आरक्षित सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 20 फेरे

गाड़ी सं. 04060		स्टेशन	गाड़ी सं. 04059	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	09:00	आनंद विहार (ट)	08:40	---
07:30	---	जयनगर	---	10:00

चलने के दिन : **04060 आनंद विहार (ट)** से दिनांक 25.09.2025 से 27.11.2025 तक (प्रत्येक गुरुवार) तथा **04059 जयनगर** से दिनांक 26.09.2025 से 28.11.2025 तक (प्रत्येक शुक्रवार)
ठहराव : कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जं., मोकामा जं., बरौनी जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं एवं मधुबनी स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

04070/04069 आनंद विहार (ट) – राजगीर – आनंद विहार (ट) आरक्षित सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 20 फेरे

गाड़ी सं. 04070		स्टेशन	गाड़ी सं. 04069	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	00:20	आनंद विहार (ट)	19:00	---
19:50	---	राजगीर	---	23:30

चलने के दिन : **04070 आनंद विहार (ट)** से तथा **04069 राजगीर** से दिनांक 26.09.2025 से 28.11.2025 तक (प्रत्येक शुक्रवार)
ठहराव : गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., राजेन्द्र नगर टर्मिनल, बख्तियारपुर जं., बिहार शरीफ जं. एवं नालंदा स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.।

04064/04063 दिल्ली जं. – भागलपुर – दिल्ली जं. आरक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 20 फेरे

गाड़ी सं. 04064		स्टेशन	गाड़ी सं. 04063	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	11:00	दिल्ली जं.	15:30	---
10:30	---	भागलपुर	---	13:40

चलने के दिन : **04064 दिल्ली जं.** से दिनांक 23.09.2025 से 25.11.2025 तक (प्रत्येक मंगलवार) तथा **04063 भागलपुर** से दिनांक 24.09.2025 से 26.11.2025 तक (प्रत्येक बुधवार)
ठहराव : अलीगढ़ जं., टुण्डला जं, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, रफी गंज, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसली गंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर एवं सुलतानगंज स्टेशन।
स्थान : शयनयान एवं सामान्य।

04525/04526 सहारनपुर जं. – अम्बाला कैंट – सहारनपुर जं. अनारक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 142 फेरे

गाड़ी सं. 04525		स्टेशन	गाड़ी सं. 04526	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:40	सहारनपुर जं.	22:30	---
06:45	---	अम्बाला कैंट	---	20:20

चलने के दिन : **04525 सहारनपुर जं.** से तथा **04526 अम्बाला कैंट** से दिनांक 21.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन)
ठहराव : पिलखनी, सरसावा, कलानौर, यमुनानगर जगाधरी, जगाधरी वर्कशॉप, दराज़पुर, मुस्तफाबाद, बराड़ा, तंदवाल, केसरी एवं दुखेड़ी स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

04219/04220 शाहगंज – अयोध्या धाम – शाहगंज अनारक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 142 फेरे

गाड़ी सं. 04219		स्टेशन	गाड़ी सं. 04220	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	22:35	शाहगंज	04:40	---
01:40	---	अयोध्या धाम	---	02:10

चलने के दिन : **04219 शाहगंज** से तथा **04220 अयोध्या धाम** से दिनांक 21.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन)
ठहराव : मालीपुर, अकबरपुर एवं गोशाईंगंज स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिये रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा भारतीय रेल की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त खबरें

आंगनबाड़ी केंद्रों में वजन मापने की मशीन नहीं

बस्ती। क्षेत्र के कई आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का वजन मापने की मशीन नहीं है तो कुछ जगहों पर खराब पड़ी हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती व धात्री महिलाओं के साथ ही शिशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल की जाती है। इसके लिए वजन व लंबाई मापने की मशीन जरूरी है। ब्लॉक के कोहड़वा, बैंदा कला, गंगौरा, महथा, पकड़ी चंदा, मनिकौरा, कुरियार, खड़ौहा, छितौनी, सुरापार, बजहा, धौरहरा गोचना, सिकराय खुर्द, देवकुंडा, गुलौरा समेत 156 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। कुछ केंद्रों को छोड़ कर अधिकतर केंद्रों में वजन की मशीन नहीं है। महथा आंगनबाड़ी केंद्र की कलावती देवी और परासी की मीरा देवी ने बताया कि पुरानी मशीनें खराब होने से उन्हें कार्यालय में जमा कर दिया गया है। नई मशीन मिलेगी तो उसका उपयोग किया जाएगा। सीडीपीओ जितेंद्र कुमार ने बताया कि सीडीओ ने ब्लॉक कार्यालयों को मशीनें खरीदने के लिए आदेश दिया है। जल्दी ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को मशीनें उपलब्ध करा दी जाएंगी।

19 एआरपी का अभी तक नहीं हो पाया चयन

बस्ती। प्राथमिक विद्यालयों को निपुण बनाने के लिए अब भी 19 एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) का चयन नहीं हो पाया है। दोबारा आवेदन मांगे गए हैं। जिले में 75 एआरपी की नियुक्ति होनी थी। 56 का चयन हो चुका है। एक ब्लॉक में 5 एआरपी की तैनाती की जाती है। ये एआरपी कक्षा 2 तक पढ़ाए जाने वाले 5 विषयों का सपोर्टिव सुपरविजन करते हैं। अब तक हिंदी के 5, अंग्रेजी के 8, गणित के 1, विज्ञान के 3 एवं सामाजिक विषय के 2 एआरपी का चयन नहीं हो पाया है।

शिक्षकों का एफएलएन आधारित प्रशिक्षण पूरा

बस्ती। बीआरसी हरैया के सभागार में पांच दिवसीय एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों के तीसरे और चौथे बैच के 100 शिक्षकों का प्रशिक्षण शनिवार को पूरा हो गया। एआरपी संतोष कुमार शुक्ल, काशीराम वर्मा, रवीश कुमार मिश्र, केआरपी श्रीनारायन मिश्र और योगेश कुमार सिंह ने निर्धारित मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण दिया। बीईओ ने बताया कि प्रशिक्षण से बच्चों को भाषा और गणित में दक्ष बनाया जा सकता है। एआरपी रवीश कुमार मिश्र ने बताया कि पांचवें और छठे बैच का प्रशिक्षण सोमवार से शुरू होगा। प्रशिक्षण में कार्यालय के सुनील कुमार, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, ऋषि सिंह, राकेश, दिवाकर सिंह ने तकनीकी सहयोग किया।

अनुपस्थित तीन सचिवों से बीडीओ ने मांगा स्पष्टीकरण

बस्ती। ब्लॉक सभागार में बीडीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव ने ग्रामपंचायतों में हुए विकास कार्यों की समीक्षा की। अनुपस्थित तीन सचिवों से स्पष्टीकरण तलब किया। बीडीओ ने वीएचएनसी मद से खरीदे जाने वाले उपकरण को ग्राम सचिव जल्द से जल्द खरीदारी कराकर रिपोर्ट भेजें। इसमें लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बीडीओ ने कहा कि 14 स्थान पर अन्नपूर्णा भवन का का निर्माण कार्य प्रारंभ होना है सभी सचिव जल्द से जल्द आईडी निकालकर अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ करें। बीडीओ ने बताया कि पूर्व में बन रहे पांच अन्नपूर्णा भवन ऊचगांव, बेहरा पकड़ी नासिर, छपिया लुटावन में कार्य प्रगति पर है वही जमदाशाही में जमीन विवाद के कारण नीव स्तर पर कार्य होने के बाद बंद पड़ा है। बीडीओ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पंचायत सहायक व रोजगार सेवक से की क्राफ्ट सर्वे की समीक्षा की।

शिव मंदिर परिसर में किया गया पौधरोपण

बस्ती। जिला पर्यावरण संरक्षण समिति के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता मनमोहन श्रीवास्तव काजू की ओर से एक पखवारे से शिव मंदिर परिसर में पौधरोपण किया जा रहा है। देवरिया शिव मंदिर, करण शिव मंदिर, भारीनाथ शिव मंदिर पर 50 से अधिक पीपल, बरगद, आंवला, पाकड़ का पौधा वन विभाग और वहां के पुजारियों के सहयोग से लगाया गया। शुद्ध वायु, वर्षा, फल-फूल, औषधियां और छाया प्रदान करते हैं। शनिवार को भद्रेश्वर नाथ मंदिर में पौधरोपण हुआ। शिव प्रसाद गिरि, राजेश गिरि, हर्षित श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, राकेश पांडेय, दीपक शर्मा, सुनील श्रीवास्तव, आरती श्रीवास्तव, राहुल अग्रहरि, विजय यादव, श्याम कुमार पंसारी, बसंत कुमार मौजूद रहे।

नवनिर्मित पुलिस बूथ बरदहिया का लोकार्पण

बस्ती। पुरानी बस्ती थाने के बरदहिया बाजार में बने पुलिस बूथ का एसपी अभिनंदन ने शनिवार को लोकार्पण किया। एएसपी ओम प्रकाश सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर सत्येन्द्र भूषण तिवारी के साथ कार्यक्रम में पहुंचे एसपी ने कहा कि क्षेत्र की जनता की सुरक्षा और सुविधा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इस पुलिस बूथ की स्थापना को एक महत्वपूर्ण कदम है। कहा कि इस बूथ की स्थापना से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने में सहायता मिलेगी। यह बूथ न केवल अपराध नियंत्रण में सहायक होगा, बल्कि स्थानीय लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाद में अधिकारियों ने टीम के साथ पॉलिटेक्निक चौराहा(पुरानी बस्ती) पर पैदल गस्त करते हुए शान्ति सुरक्षा का एहसास कराया। पुरानी बस्ती थाने के निमार्णाधीन भवन का निरीक्षण भी किया गया।

दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित होंगी खेल प्रतियोगिताएं

बस्ती। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से माह अक्टूबर 2025 में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। इस प्रतियोगिता में 22 खेल प्रस्तावित हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि रेस 100 मीटर, रेस व्हील चेयर, ट्राइसाइकिल रेस, गोला फेंक, भाला फेंक, लम्बी कूद, ऊंची कूद, रस्साकाशी, म्यूजिकल चेयर्स, डिस्कस थ्रो, जूडो कराटे, हैंडबॉल, योगासन, शतरंज, कबड्डी, क्रिकेट, खो-खो, बैडमिन्टन, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन, तीरंदाजी और अन्य खेल होंगे। प्रतिभागी टीम प्रतिभाग कर सकेगी। बताया कि ऐसे लाभार्थी जो खेल-कूद में प्रतिभाग करना चाहते हैं, तो वह अपना नाम जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कक्ष संख्या 14 विकास भवन बस्ती में दर्ज करा सकते है।

डीएल आवेदकों के लिए मेडिकल टीम गठित

बस्ती। ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण और सारथी पोर्टल की अन्य सेवाओं के आवेदनों के लिए ऑनलाइन चिकित्सीय प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के लिए सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने चिकित्सकों की टीम बनाई है। इसमें डिप्टी सीएमओ डॉ. एके चौधरी, डॉ. जेपी कुशवाहा, डिप्टी सीएमओ डॉ. एसबी सिंह शामिल हैं। आरटीओ प्रशासन फरीदउद्दीन ने बताया कि ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण व सारथी पोर्टल की अन्य सेवाओं के लिए उपरोक्त नामित चिकित्सकों के माध्यम से ऑनलाइन चिकित्सा प्रमाण पत्र अपलोड करने के बाद आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कराकर ड्राइविंग लाइसेंस नवीनीकरण व अन्य सेवाओं को फेसलेस के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

पूर्व क्षेत्र के खिलाफ अंकित और यश के शतक, उत्तर क्षेत्र सेमीफाइनल के करीब

नई दिल्ली । पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ कप्तान अंकित कुमार (नाबाद 168 रन) और उभरते हुए बल्लेबाज यश दुल (133 रन, 157 गेंद) के शानदार शतकों ने उत्तर क्षेत्र को शनिवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल की दहलीज पर पहुंचा दिया। पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ कप्तान अंकित कुमार (नाबाद 168 रन) और उभरते हुए बल्लेबाज यश दुल (133 रन, 157 गेंद) के शानदार शतकों ने उत्तर क्षेत्र को शनिवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल की दहलीज पर पहुंचा दिया। उत्तर क्षेत्र ने 183 रन की बढ़त के बावजूद फिर से बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अंकित और ढुल ने दूसरे विकेट के लिए 290 गेंद पर 240 रन जोड़े। उनकी टीम ने क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 388 रन बनाकर कुल 563 रन की बढ़त बना ली। शुभम खजूरिया (21) के जल्दी आउट होने के बाद पूर्वी क्षेत्र के गेंदबाज उत्तरी क्षेत्र की इस जोड़ी पर कोई प्रभाव डालने के लिए संघर्ष करते रहे।

भाजपा के लोग बस देश का क्षेत्रफल बता दें, अखिलेश यादव ने साधा जमकर निशाना

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा)के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीन दौरे को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी कब्जे के बाद घट गयी है। यादव ने अपने सोशल अकाउंट फेसबुक पर अपना बयान पोस्ट कर ये सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने लिखा है कि, ये है तथाकथित आत्मनिर्भर, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का चिंताजनक सच! अपने बयान में उन्होंने कहा है कि चीन से आनेवाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है। अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में लिखा है कि, भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे। पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा। इससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे। उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा। वह आगे कहते हैं कि उसके बाद चीन मनमाने दाम पर हर चीज सप्लाई करेगा। उसके बाद महंगाई-बेरोजगारी बढ़ाएगा। जब महंगाई-बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खिलाफ आक्रोश भी कई गुना बढ़ जाएगा। दूसरों के सहारे पर चल रही, बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी। सपा प्रमुख ने इसके आगे लिखा है कि खुद ही लड़खड़ाती भाजपा की सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पायेगी। हमारी भूमि पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा और उसके बाद भाजपा दोहराएगी कि न कोई, न कोई। अगर ये बात ह्यट्रेनवालों को समझ नहीं आ रही है तो उप्र में विराजमान ह्यबुलडोजरश वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब देदें कि चीन द्वारा हमारी कितनी जमीन हड़प ली गयी है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी तो चीनी कब्जे का शिकार हुआ है। भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी कब्जे के बाद घट गई है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी राधा अष्टमी की बधाई

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को प्रदेशवासियों को ह्यराधा अष्टमी पर्व की बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक ह्यएक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा, ह्लपावन पर्व ह्यराधा अष्टमीश की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! निष्काम प्रेम, करुणा व भक्ति की साक्षात स्वरूप श्री राधा रानी जी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है। जय श्री राधे! उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ह्यएक्सश पर अपनी पोस्ट में कहा, ह्लपावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को अनंत शुभकामनाएं!ह्व मौर्य ने कहा, ह्लप्रेम, भक्ति और करुणा की अविनाशी ज्योति श्री राधारानी जी के चरणों में कोटि कोटि नमन। उनकी कृपा से हम सभी के जीवन में शांति, सुख एवं समृद्धि का प्रवाह बना रहे। जय श्री राधे !ह्व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने ह्यएक्सश पर पोस्ट में कहा, ह्लआप सभी को पावन पर्व राधा अष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।ह्व अधिकारियों के अनुसार मथुरा बरसाना स्थित श्री राधारानी मंदिर में 30 अगस्त से शुरू हुए इस दो दिवसीय उत्सव में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। पर्व का मुख्य आयोजन आज सुबह से ही शुरू हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

गर्ल्स लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम सम्पन्न, किशोरियों को मिला नेतृत्व व अधिकारों का पाठ

लखनऊ(संवाददाता)। आज बारादरी, बुद्धेश्वर मंदिर, लखनऊ में इनिशिएटीव फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय गर्ल्स लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। दूसरे दिन के प्रशिक्षण में अनीषा जी द्वारा नेतृत्व विकास, निर्णय लेने की क्षमता और लैंगिक समानता पर सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने समूह कार्य, प्रस्तुति और रोल प्ले के माध्यम से सीखा कि समाज में बदलाव लाने के लिए किस तरह से नेतृत्वकारी भूमिका निभाई जा सकती है। प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागी सुमैया ने कहा कि इस प्रशिक्षण ने हमें यह विश्वास दिया कि हम भी अपने समुदाय में बदलाव ला सकते हैं। प्रशिक्षण में शामिल प्रशिक्षक विरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि जब लड़कियाँ अपने अधिकारों को पहचानकर नेतृत्व करती हैं, तो पूरा समाज आगे बढ़ता है। इनिशिएटीव फाउंडेशन के निदेशक अमित मिश्रा ने कहा ह्लयह प्रशिक्षण केवल जानकारी देने के लिए नहीं था, बल्कि किशोरियों को समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास था।ह्व समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र (ब्मतजपपिबंजमे) प्रदान किए गए। कार्यक्रम में लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 55 किशोरियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सायरा, हेमा, श्रद्धा, सुरेश, जितेंद्र पूजा का विशेष सहयोग रहा।

गरीबों, किसानों, व्यापारियों, नवजवानों का खून चूस रही बीजेपी-अंगारा

लखनऊ(संवाददाता)। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं समाजवादी चिंतक रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव अंगारा ने कहा कि भाजपा खटमल की तरह है,जो हमारे बीच घुसकर देशवासियों कि खून चूस रही है।उन्होंने कहा कि बड़ा दुर्भाग्य है कि वर्तमान सरकार ने देशवासियों के ऊपर टैक्सों की गठरी लाद दी है। हर गरीब उसके बोझ सेदबा जा रहा है। उन्होंने कहा, कानून का राज्य खत्म हो रहा है। तानाशाही की ओर सरकार के कदमों से हर नागरिक दहशत और भयभीत हैं। सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं को हैक कर लिया गया है, जहां से लोगों को न्याय मिलने की उम्मीद थी,खत्म हो गई है।जबसे भजपा सरकार केंद्र में आई है बेरोजगारी का स्तर बढ़ता जा रहा है ,लोग हाथों में डिग्रियां लिए घूम रहे हैं,पर कहीकोई नौकरी उसे हासिल नहीं हो पा रही है। मंहगाई बढ़ती जा रही है।नौकरियां कहीं है नहीं।सरकारी विभागों में जो पद खाली थे भी, खत्म कर दिया गया है। नौकरियां दिव्य स्वप्न की तरह हो गई है। अब तो चुनाव आयोग भी वोट के अधिकार से वंचित कर रहा है।जबघ हमें वोट से वंचित करेंगे तो वे देश से मिलने वाली हर सुविधाओं से वंचित कर देंगे।विकास की बात छोड़कर वर्षों पुराने इतिहास की ओर ले जाकर अपना तो उद्देश्य पूरा करते हैं पर देश के विकास और देश का सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। लोगों का मन डाईवर्ट कर रहे हैं। यह सरकार सरकारी कर्मचारियों ध्के खिलाफ है। डबल इंजन की सरकार दोनों इंजन खराब हैं। हमें चाहिए इसका समाधान निकाले और दवा डालकर खटमल रूपी सरकार को हटायें। तभी देशवासियों को सुखद जीवन का आनंद मिल सकता है।

यूपी में फ्री लगेगा सोलर पैनल, नागरिकों को बिजली संकट से मुक्ति

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अब सोलर पैनल लगवाना आसान और किफायती हो गया है। यूपी सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत उपभोक्ताओं को कई तरह की छूट देने का ऐलान किया है, जिससे अब लोग अपनी छत पर सोलर पैनल बिना किसी अतिरिक्त सरकारी शुल्क के लगवा सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 फरवरी 2024 को शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य देश के लाखों घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ना है। योजना अंतर्गत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए सरकार 40 फीसदी तक की सब्सिडी देती है। इससे बिजली बिल में भारी कमी आती है। आम लोग स्वच्छ और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में योगदान दे पाते हैं। उत्तर प्रदेश में इस योजना को और अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने के लिए बिजली विभाग ने कई शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दिए हैं। इसमें अब आवेदन शुल्क 250 रुपए, पंजीकरण शुल्क 1000 रुपए नेट मीटर जांच शुल्क 400 रुपए उपभोक्ताओं को इन तीनों मदों में कोई पैसा नहीं देना होगा। इस फैसले से उपभोक्ताओं को 1250 से लेकर 1650 रूप तक की सीधी बचत होगी। अभी तक नेट मीटरिंग के लिए इंटरकनेक्शन एग्रीमेंट जरूरी होता था, जो कई बार लंबी प्रक्रिया बन जाती थी। अब आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया गया है। जो उपभोक्ता खुद से स्मार्ट मीटर लगवाते हैं, उन्हें अतिरिक्त छूट मिल रही है। यदि उपभोक्ता खुद मीटर खरीदकर उसकी जांच कराते हैं, तो उन्हें 1650 रुपए तक का लाभ होगा।इससे सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित होती है, जिससे पर्यावरण को भी लाभ होगा। लोग पारंपरिक बिजली की बजाय सोलर एनर्जी की ओर बढ़ेंगे,सोलर पैनल से खुद की बिजली बनाकर उपभोक्ता मासिक खर्चों में कटौती कर सकते। किसी भी प्रकार का सरकारी शुल्क न होने से प्रक्रिया पहले से काफी आसान हो गई है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रही है।

बिहार में जनता मोदी-नीतीश के साथः अनुप्रिया

लखनऊ(संवाददाता)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बिहार में चुनाव प्रचार करने पर निशाना साधा और दावा किया कि बिहार की जनता फिर से एनडीए पर ही भरोसा जताएगी। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता इस भ्रम में हैं कि उनके एक साथ चुनाव प्रचार करने से बिहार की जनता उनके पक्ष में खड़ी हो जाएगी। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि बिहार चुनाव में एक बार फिर से जनता एनडीए गठबंधन पर विश्वास की मुहर लगाएगी।अनुप्रिया पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार की योजनाओं का हवाला दिया, जिससे बिहार की जनता के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। जनता का विश्वास और आम मतदाताओं का भरोसा एनडीए गठबंधन में कायम है।बिहार का चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है और मुझे पूरा विश्वास है कि एक बार फिर से एनडीए का सुशासन कायम होगा।बिहार में मतदाता सूची में गड़बड़ी के राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए अनुप्रिया पटेल ने कहा कि राहुल गांधी के आरोपों में कोई दम नहीं है। इलेक्शन कमीशन संवैधानिक संस्था है और मतदाता शुद्धिकरण एक प्रक्रिया है, जिसमें फर्जी मतदाताओं के नाम सूची से बाहर करना उसका काम है। अगर किसी व्यक्ति का नाम गलत तरीके से निकाला गया है, तो वह आपत्ति दर्ज कर सकता है। उन्होंने राहुल गांधी पर एनडीए के खिलाफ माहौल बनाने के लिए झूठा आरोप लगाने का आरोप लगाया और कहा कि बिहार की जनता इसे समझ रही है।

आयुष विभाग का निशुल्क चिकित्सा शिविर, मुफ्त दवाएं भी वितरित

लखनऊस्वामी मुक्तिनाथानंद महाराज के नेतृत्व में विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस 22वें शिविर में मरीजों का मुफ्त पंजीकरण किया गया। शिविर में आयुर्वेद पंचकर्म, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपैथी, यूनानी, एक्यूपंक्चर, एक्युप्रेशर और प्राणिक हीलिंग का परामर्श दिया गया। मरीजों को जरूरत के अनुसार निशुल्क दवाएं भी दी गईं। शिविर में जोड़ों के दर्द, गठिया, रीढ़ की समस्याओं, त्वचा रोग, सफेद दाग, सोरायसिस, बालों की समस्याओं, मुहांसों, सौंदर्य संबंधी रोगों का इलाज किया गया। इसके अलावा गुप्तरोग, मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग, श्वास रोग, पाचन और लवर से जुड़ी बीमारियों का भी उपचार किया गया। कुल 77 मरीजों ने शिविर का लाभ उठाया। इनमें आयुर्वेद में 20, होम्योपैथी में 33, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में 22 और एक्यूपंक्चर में 2 मरीज शामिल थे। संस्थान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयुर्वेदिक चिकित्सा को लोकप्रिय बनाना है। महंगी चिकित्सा पद्धतियों के बीच यह शिविर गरीब और वंचित मरीजों को सस्ता और सुलभ इलाज उपलब्ध कराता है। चिकित्सकों और स्वयंसेवकों की टीम ने सभी मरीजों की उचित देखभाल की। इस पहल से समाज में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत हुई है।

विमुक्ति जन-जाति आरक्षण 12.5 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग

लखनऊ(संवाददाता)। भारतीय समाज दल के तत्वावधान में यू०पी० प्रेस क्लब में विमुक्ति दिवस के अवसर पर राजभर, लोधी, निषाद, पासी विमुक्ति जनजातियों के विकास के लिये उ०प्र० सरकार से निम्न विषयों पर मांग रखी गयी व प्रेस वार्ता किया गया। प्रेस वार्ता में सभा को सम्बोधित करते हुए भारतीय समाज दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण राजभर ने कहा ब्रिटिश हुकुमत के दौरान उत्तर प्रदेश की वह जातियां जो अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह करती थीं व तालुकेदार व नवाब इन जातियों को अपनी सेना में रखकर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कराने का कार्य करते थे, जिसके कारण अंग्रेज अपने को असुरक्षित महसूस किया करते थे। अतः उनका दमन करने के लिए एक काला कानून लाये, जिसे इतिहास में क्रिमिनल ट्राइव एक्ट 1871 के नाम से जानते हैं। 1871 से लेकर 1924 तक भिन्न-भिन्न खतरनाक (13) कानून बनाकर राजभर लोधी, निषाद, पासी समाज को मरणासन्न स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया, और इनकी संस्कृति और सभ्यता का भी पतन कर दिया, जिससे यह समाज पशुमय की स्थिति में हो गया। इस एक्ट के तहत इनकी जमीनें व आजादी छीन ली गयी तथा इनसे शिक्षा का अधिकार छीन लिया गया। इस एक्ट के तहत इस समाज में पैदा होने वाला हर शिशु जन्मजात अपराधी घोषित हो जाता था। इनका स्थान जेल कालापानी व फांसी की सजा होती थीं जिससे यह समाजे जंगलों की ओर पलायन करने लगा तथा नदी नालों के किनारे रहने के लिये विवश हो गया और सामाजिकता से कट गया। यही कारण है कि आजादी के 78 वर्षों बाद भी यह समाज की मुख्य धारा से वंचित है। इसलिए इस समाज के आर्थिक, राजनैतिक, शैक्षिक उत्थान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से हम माँग करते हैं कि विमुक्ति जन-जाति आरक्षण 12.5 प्रतिशत आरक्षण लागू करें तथा विमुक्ति जन जातियों के पूर्वजों ने देश की आजादी के लिये जेल, काला पानी व फाँसी की सजा बड़े पैमाने पर झेली है। इसलिए आज उनके वंशजों को सेनानी पेंशन व मान-सम्मान का दर्जा दें। ताकि इस समाज का उत्थान सम्भव हो सके। प्रेस वार्ता में भारतीय समाज दल के राष्ट्रीय महासचिव सुशील कुमार पाण्डेय, राष्ट्रीय सचिव प्रदीप कुमार मिश्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ सिद्दी खान, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुहेलदेव सेना, गौरव कुमार वर्मा, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष प्रीति वर्मा, राष्ट्रीय सलाहकार रामदयाल कश्यप, लखनऊ मण्डल अध्यक्ष हरिकृष्ण पासी, लखनऊ महानगर अध्यक्ष मोहित मिश्रा, प्रदीप पाण्डेय, आदि लोगों ने सभा को सम्बोधित किया। अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष हरिकृष्ण पासी व संचालन प्रदीप मिश्रा ने किया।

नबी सल्ल0 की पैरवी में ही कामयाबी की कुंजी हैः मौलाना अजहरूद्दीन

लखनऊ(संवाददाता)। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के अर्न्तगत दारूल उलूम फरंगी महल में माह रबी उल अव्वल के अवसर पर सातवें जलसा सीरतुन्नबी स0 सीरत सहाबा रजि0 व तहफ्फुजे शरीअत का आयोजन किया गया। जलसे का आरम्भ कारी कमुद्दीन की तिलावत कलाम पाक से हुआ। जलसे का संचालन मौलाना अब्दुल मुगीस ने किया। इस अवसर पर मौलाना अजहरूद्दीन अध्यापक दारूल उलूम फरंगी महल ने अपने सम्बोधन में कहा कि तुम्हारे लिए अल्लाह के रसूल पाक सल्ल0 में अच्छा नमूना है, यह उस के लिए है जो अल्लाह से उम्मीद करता हो और आखिरत के दिन पर यकीन रखता हो, और जिसने अल्लाह को बहुत याद किया हो।मोमिन के लिए अल्लाह के आखिरी पैगम्बर हुजूर पाक सल्ल0 रौशनी का मीनार हैं, अपनी जिन्दगी के लिए उनसे रौशनी हासलि करना, उनके नकशे कदम पर चलना और जिन्दगी के किरदार व अखलाक व सिफात में उनको अपने लिए नमूना बनाना हर मुसलमान का फर्ज है। मौलाना ने सहाबाक्राम की पवित्र जमाअत का तजकिरा करते हुए कहा कि रसूल पाक सल्ल0 के सहाबाक्राम नबियों और रसूलों के बाद तमाम इंसानों में सबसे पवित्र लोग हैं। उनकी पैरवी में आखिरत की निजात है। इस पवित्र जमाअत की तारीफ से अल्लाह का कलाम और हुजूर पाक सल्ल0 की हदीस भरी हैं। जलसे का अन्त मौलाना अजहरूद्दीन की दुआ पर हुआ।

पटाखा फैक्टरी में भीषण ब्लास्ट, हादसे में 7 लोगों की मौत होने की सूचना

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां पर पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। धमाके से पूरा इलाका दहल गया। राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र में रविवार को एक घर में संचालित की जा रही पटाखा फैक्टरी में ये विस्फोट हो गया। बताया जा रहा है कि विस्फोट उस घर में हुआ जहां पटाखा फैक्टरी संचालित की जा रही थी। इस घटना में सात लोगों की मौत हो जाने की जानकारी है और कुछ लोग घायल हुए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार विस्फोट के बाद मकान की छत का एक हिस्सा ढह गया, जिससे कम से कम दो अन्य लोग मलबे में दब गए। घटनास्थल पर राहत और बचाव अभियान जारी है। एसीपी ने कहा, दमकल विभाग, एम्बुलेंस और स्थानीय पुलिस सहित बचाव दल मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्य में जुटे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं तथा यह सुनिश्चित करने को कहा है कि घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

योगी सरकार ने 8 आईपीएस अधिकारियों का किया तबादला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में एक बार फिर 8 प्पै अधिकारियों का तबादला किया है। शामली, श्रावस्ती और कानपुर देहात के पुलिस अधिक्षक हटाए गए हैं। सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार श्रद्धा नरेंद्र पांडे एसपी कानपुर देहात, राहुल भाटी श्रावस्ती और नरेंद्र प्रताप सिंह शामली के च् बनाए गए हैं जबकि प्रवीण रंजन सिंह को नोएडा में डीसीपी बनाया गया है। शामली के पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम को पीटीसी मुरादाबाद भेजा गया है जबकि कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा को पुलिस अधीक्षक म्ॅ लखनऊ बनाया गया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम को अपने आवास 5 कालीदास मार्ग पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक बुलाई है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आज दिनांक- 31 अगस्त को शाम 7 बजे, 5 कालिदास मार्ग स्थित सभाकक्ष से प्रदेश के समस्त मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस महानिदेशक , पुलिस आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक , पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज, पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक इस बैठक में शामिल होंगे।

मायावती का बड़ा ऐलान- बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ(संवाददाता)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव को लेकर पिछले दो दिन तक चली समीक्षा बैठक में उम्मीदवारों के चयन सहित पार्टी के हर स्तर की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसकी जानकारी सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर देते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने यह ऐलान किया। मायावती ने कहा कि बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को कमियों को दूर करके पूरी मुस्तैदी व तन, मन, धन से आगे बढ़ने का निर्देश दिया गया है। साथ ही उन्हें अगले महीने के प्रारंभ से शुरू होने वाले पार्टी की यात्रा व जनसभा आदि कार्यक्रमों के सम्बंध में विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है। मायावती ने कहा कि सभी कार्यक्रम उनके दिशा निर्देशन में होने के साथ ही इसकी जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनन्द व केन्द्रीय कोआर्डिनेटर व राज्यसभा सांसद रामजी गौतम तथा बीएसपी बिहार स्टेट यूनिट को सौंपी गयी है। उन्होंने कहा कि बिहार एक बड़ा राज्य है और इसीलिए वहां की ताजा जरूरतों को देखते हुये राज्य की सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांट कर पार्टी के वरिष्ठ लोगों को अलग-अलग से उसकी जिम्मेदारी सौंपने का फैसला भी बैठक में लिया गया। मायावती ने कहा कि बिहार में पार्टी की अपनी तैयारी के साथ-साथ वहां राज्य के तेजी से बदलते हुये राजनीतिक हालात एवं चुनावी समीकरण आदि को देखते हुए पार्टी द्वारा चुनाव में बेहतर रिजल्ट लाने का आश्वासन पार्टी के लोगों ने दिया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले उड़ीसा और तेलंगाना राज्य में भी पार्टी संगठन की तैयारियों व वहां भी यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन को लेकर चर्चा की गई।

भगवा का मोक्ष कल्याणक मनाया गया

लखनऊ(संवाददाता)। गोमतीनगर जैन मन्दिर मे दशलक्षण महापर्व के चौथे दिन उत्तम सत्य धर्म की पूजा हुई। पंडित सम्यक शास्त्री ने सत्य धर्म के बारे में बताया कि मनुष्य को अपने जीवन में हमेशा सत्य का पालन करना चाहिए। मुख्य शांति धारा देवेंद्र जैन एवं नितिन कांडया परिवार द्वारा की गई एवं आज भगवान 1008 श्री पुष्पदंत जी का मोक्ष कल्याणक भी बड़े ही धूमधाम से मनाया गया एवं उनको लाडू अर्पण किया गया। लाडू चढ़ाने का सौभाग्य अरविंद जैन और रजनी जैन परिवार को मिला। इस मौके पर अध्यक्ष पीके जैन मंत्री आलोक जैन, संदीप,अविनाश, रचित, विनय कपूर, अमित, पंडित पीयूष,अशोक, महावीर गंगवाल, जय कुमार जैन आदि उपस्थित रहे। शाम को जैन महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिनवाणी की देशना पर आधारित नाटक का बच्चों द्वारा प्रस्तुति दी गई। महिला मंडल की अनीता, दीपाली, अल्पना सपना, जुली, अर्चना आदि उपस्थित रहीं।

सीएम योगी से मिले कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, कई मुद्दों को लेकर हुई बात

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। यह मुलाकात कई मायनों में महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि संजय निषाद ने हाल ही में गठबंधन को लेकर काफी तीखा बयान दिया था। हालांकि अभी इस मुलाकात का पूरा ब्योरा नहीं मिल पाया है कि दोनों नेताओं के बीच किस मुद्दे को लेकर बातचीत हुई, लेकिन इस सियासी मुलाकात से लखनऊ में सियासी हलचल तेज हो गई है। दरअसल, निषाद पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर उसे लगता है कि सहयोगी दलों ने कोई लाभ नहीं पहुँचाया है तो वह गठबंधन तोड़ दे। सूत्रों ने बताया कि इस टिप्पणी के बाद, संजय निषाद को उसी रात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का फोन आया और उन्होंने वादा किया कि दोनों दलों के बीच मतभेद सुलझा लिए जाएंगे। संजय निषाद ने कहा था, ह्यह्यअगर उन्हें हमारे साथ गठबंधन से कोई फायदा नहीं हो रहा है, तो उन्हें इसे तोड़ देना चाहिए। मैं भाजपा को यह बताना चाहता हूँ। वे छोटे नेताओं का इस्तेमाल करके हम पर अभद्र भाषा में हमला क्यों कर रहे हैं? हालाकि निषाद पार्टी के नेताओं ने कहा कि उनके पार्टी प्रमुख की ये टिप्पणी भाजपा के छोटे सहयोगियों चाहे वे मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में निषाद, राजभर, या पटेल हों, या पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट के बीच बढ़ती दूरियों के कारण है। भाजपा दीर्घकालिक दृष्टि से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के बीच अपना नेतृत्व तैयार कर रही है, जो उनका मुख्य मतदाता आधार हैं। जय प्रकाश निषाद और साध्वी निरंजन ज्योति जैसे भाजपा निषाद नेताओं की आलोचनात्मक टिप्पणियों के कारण निषाद पार्टी की आशंकाएं और बढ़ गई थीं।

सम्पादकीय

स्क्रीन के सैलाब में संस्कारों का एंटीवायरस बने शिक्षक

पांच सितंबर यानी शिक्षक दिवस- यह पावन अवसर पर है हम सब के लिए उस शिक्षा के स्वरूप पर विचार करने का जो हमारी अगली पीढ़ी को ज्ञान के साथ-साथ जीवन की सही दिशा भी दे सके। इस संदर्भ में गुरु-शिष्य परंपरा से जुड़ा हमारे शास्त्रों में वर्णित एक विचार प्रासंगिक है कि ज्ञानमभारः क्रियां विना। जिसका अर्थ है, क्रिया के बिना ज्ञान बोझ है। यह बात आज के डिजिटल युग में और भी सत्य है। आज का शिक्षक सिर्फ ब्लैकबोर्ड पर लिखने वाला नहीं, बल्कि संस्कार और स्क्रीन के बीच एक संवेदनशील सेतु है। यह वो समय है जब हर शिक्षक को सोचना होगा कि क्या वे सिर्फ सूचना दे रहे हैं, या एक ऐसा भविष्य गढ़ रहे हैं जहां मानवीयता तकनीकी प्रगति से आगे खड़ी हो। दरअसल, आजकल बच्चे स्क्रीन टाइम में इतने डूबे हैं कि सामाजिक कौशल, धैर्य और सहानुभूति जैसे बुनियादी मानवीय मूल्य कहीं पीछे छूट रहे हैं। तो एक सवाल हर शिक्षक के मन में कुलबुला रहा होगा घ क्या अब बच्चों को पढ़ाना उतना ही आसान है, जितना उन्हें फॉरवर्ड करना सिखाना? एक तरफ ज्ञान का अथाह सागर है जो स्क्रीन पर तैर रहा है, और दूसरी तरफ संस्कारों की नदियां हैं जो सूखती जा रही हैं। सवाल है, शिक्षक इन दोनों के बीच पुल कैसे बनाएंगे? तकनीक हमें दुनिया से जोड़ती है, लेकिन यह हमें भावनात्मक रूप से अलग-थलग भी कर सकती है। यही कारण है कि शिक्षक का भावनात्मक जुड़ाव और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। शिक्षक केवल ज्ञान का संचार करने वाला ही नहीं, बल्कि ऐसा व्यक्ति हो जो अपने छात्रों की भावनाओं को समझता हो, उनकी चुनौतियों को सुनता हो और सही रास्ता दिखाता हो। ऐसे में शिक्षक को संस्कारों का एंटीवायरस बनना होगा। महान विचारक और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने एक बार अपने बेटे के शिक्षक को पत्र लिखते हुए कहा था, उसे सिखाना कि हर दुश्मन में एक दोस्त छिपा हो सकता है... उसे किताबों के चमत्कार के बारे में बताना... उसे सिखाना कि अगर वह हारता है तो यह ठीक है... उसे सिखाना कि सफलता का आनंद कैसे लिया जाए... लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, उसे यह सिखाना कि कैसे मुस्कुराना है जब वह दुखी हो। लिंकन की यह बात आज के दौर में और भी प्रासंगिक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमें तथ्यों से भर सकता है, लेकिन मुस्कुराना, हार से सीखना, और दूसरों में अच्छाई खोजना - ये बातें केवल शिक्षक ही सिखा सकता है, जो भावनाओं और अनुभवों के माध्यम से संवाद करता है। एक बार स्वामी विवेकानंद से उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस ने पूछा, तुमने क्या सीखा? विवेकानंद ने शास्त्रों का ढेर गिना दिया। रामकृष्ण मुस्कुराए और बोले, तुमने ज्ञान इकट्ठा किया है, सीखा नहीं। सीखा तो तब होता, जब तुम इसका उपयोग कर दूसरों के दुख दूर करते।हाल ही में, लेखक को एक अनोखा उदाहरण देखने को मिला। बेंगलुरु के एक स्कूल में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एथिक्स पर सत्र के दौरान एक छात्र ने पूछा, अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए) मेरा सारा होमवर्क कर दे, तो मुझे क्या मिलेगा? शिक्षक मुस्कुराईं। उन्होंने कहा, तुम्हें होमवर्क से मुक्ति मिलेगी, लेकिन सीखने का आनंद नहीं मिलेगा। एआई तुम्हें उत्तर दे देगी, लेकिन उस उत्तर तक पहुंचने की सोच, संघर्ष और समझ नहीं देगी। यही वो जगह है जहां तुम्हारी आत्मा का विकास होता है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता कभी नहीं कर सकती। यह एक साधारण सा संवाद था, पर इसमें आधुनिक शिक्षा की गहरी फिलॉसफी छुपी थी। आज की पीढ़ी डिजिटल नेटिव है। उनके लिए किताबें नहीं बल्कि स्क्रीन ज्ञान का पहला स्रोत है। हमें उन्हें स्क्रीन से दूर भगाने के बजाय स्क्रीन पर सही जानकारी को चुनना सिखाना होगा, और उसके पीछे के मानवीय मूल्यों को समझाना होगा। एक शिक्षक को यह समझना होगा कि छात्र अब केवल ब्लैकबोर्ड से नहीं, बल्कि वीडियो, पॉडकास्ट और इंटरेक्टिव ऐप्स से भी सीखते हैं। आज की पीढ़ी के लिए स्क्रीन (मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट) सिर्फ एक गैजेट नहीं, बल्कि उनकी दुनिया का एक अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। यह एक ऐसा माध्यम है जिसके जरिए वे जानकारी प्राप्त करते हैं, संवाद करते हैं और मनोरंजन करते हैं। इस स्थिति में, पारंपरिक शिक्षा पद्धति को पूरी तरह से नकारना बुद्धिमानी नहीं होगी, बल्कि हमें संस्कारों को तकनीक के साथ सही से मिलाना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली सहायक है, जो शिक्षकों को व्यक्तिगत ध्यान देने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और छात्रों की समस्याओं को गहराई से समझने का समय देता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आपको गणित के सूत्र समझा सकती है, लेकिन यह नहीं सिखा सकती कि जीवन में ईमानदारी क्यों जरूरी है। विज्ञान के नियम बता सकती है, लेकिन यह नहीं कि सहानुभूति क्यों रखनी चाहिए। शिक्षक का काम अब डेटा डंप करना नहीं, बल्कि ज्ञान का क्युरेटर बनना है। उन्हें छात्रों को सिखाना होगा कि डिजिटल दुनिया में झूठी खबरों को कैसे पहचानें, गोपनीयता का महत्व क्या है, और साइबर बुलिंग से कैसे बचें। उन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हुए, छात्रों में आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, और सामाजिक जागरूकता विकसित करनी होगी। शिक्षकों को यह भी सोचना होगा कि क्या वे सिर्फ परीक्षा पास कराने वाले रोबोट बना रहे हैं, या ऐसे इंसान तैयार कर रहे हैं जो जीवन की हर चुनौती का सामना कर सकें।

चिकित्सा और शिक्षा मुनाफे का खेल

प्रेम शर्मा

एकदम शत प्रतिशत,शुद्ध 24 केरेट का खेल चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में खेला जा रहा है। तेजी से बढ़ाते चिकित्सा एवं शिक्षा के बाजारीकरण से यह बॉत सिद्ध हो चुकी है। पिछले बीस वर्षो में देश में लाखों की संख्या में निजीक्षेत्र लक्जरी ट्रामा सेन्टर, बीमारी विशेष के स्पेसलिस्ट चिकित्सालयों की स्थापना, ऐसी एवं सर्व सुविधायुक्त फाईव स्टार संस्कृति से परिपूर्ण प्ले स्कूल, टेक्निकल कालेजों ने चिकित्सा एवं शिक्षा के महत्व को कम कर इसे मुनाफे के व्यवसाय में तब्दील कर दिया है। इस बॉत से न तो सरकार, न ही आमजनता अनभिज्ञ है, बल्कि उनके सामने इसका विकल्प नजर नही आ रहा है। सरकार के सरकारी चिकित्सालयों और सरकारी शिक्षाकेन्द्रों की दशा दिशा और दुर्दशा का फायदा देश के चंद पूंजीपतियों, राजनेताओ, कतिपय नौकरशाहों द्वारा उठाया जा रहा है। देश की हर राजधानी और मेट्रों शहरों में खुलने वाले निजी क्षेत्र के विशेष शैली और सुविधाओं वाले निजी हास्पिटलों एवं स्कूल, कालेजों के मालिकाना हक में कही न कही कोई न कोई राजनेता, मंत्री, सांसद, विधायक, नौकरशाह का नाम जुड़ा है। यही नही चिकित्सा के क्षेत्र में कतिपय सीएमओं की सेवा मे रहते एवं सेवानिवृत्ति के बाद की भागीदारी इस बॉत का संकेत है कि पैसे की हवस के आगे इन लोगों ने समाजसेवा और देश विकास के साथ खिलवाड़ करने में कोई कसर नही छोड़ी है। शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण हुआ है, उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेल दिया है। इस सम्बंध में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। इंदौर में एक किफायती कैंसर देखभाल केंद्र का उद्घाटन करते हुए भागवत ने चेताया कि भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। उन्होंने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की अपील करते हुए स्वास्थ्य-शिक्षा को सामाजिक दायित्व का निवर्हन करने का आग्रह किया था।चिकित्सा और शिक्षा की वर्तमान स्थिति

निस्संदेह,यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग,मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है।इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। सरस्वती के मंदिर आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं। अभिभावकों को उल्टे उस्तरे से मूंडने के लिये नये-नये तौर-तरीके निकाले जा रहे हैं। ट्यूशन, एडमिशन,बिल्डिंग फीस, ट्रांसपोर्ट जैसे तमाम मदों के नाम पर अभिभावकों का दोहन किया जाता है। इतना ही नहीं किताबें व ड्रेस तक शिक्षण संस्थानों की हिस्सेदारी वाली दुकानों से खरीदने को बाध्य किया जाता है। यहां तक कि आम शहरों में, माता-पिता प्रति बच्चे पर सालाना साठ हजार से भी ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कुछ अभिभावक तो अपनी आय का लगभग आधा हिस्सा ट्यूशन और शिक्षा से जुड़े मदों पर खर्च कर रहे हैं। फीस, कापी कितबे और ड्रेस का विवाद लगभग हर नए सत्र के दौरान देश के किसी न किसी शहर और नामी स्कूलों देखा जाता है विरोध भी होता है लेकिन फिर अभिभावक मजबूरी में अपना दोहन कराता है। हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। दिल्ली, लखनऊ, मुम्बई जैसे देश के तमाम शहर ऐसे है जिनमें छोटी छोटी क्लासों की सलाना फीस लाखों रुपए है। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण को भी रेखांकित करते हैं। पिछले दिनों दिल्ली के निजी स्कूलों में अनाप-शनाप फीस बढ़ाए जाने के खिलाफ अभिभावक सड़कों पर उतरे। जिसने दिल्ली सरकार को बाध्य किया कि इस दिशा में सकारात्मक पहल करे। इस आंदोलन के उत्साहजनक परिणाम सामने आए। कालांतर दिल्ली सरकार को निजी स्कूलों की फीस को विनियमित करने वाला विधेयक पारित करने को बाध्य होना पड़ा। जो इस दिशा में एक उत्साहजनक पहल कही जा सकती है। चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र के अधरधुध बाजारी को रोकने के लिए मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। इस बॉत से कोई इंकार नही कर सकता कि स्वस्थ्य और शिक्षित जनता देश के विकास की पहली सीढ़ी है। ऐसे में सरकार को एक कदम आगें आकर विरोध को स्वीकार करते कठोर कदम उठाने होगें।

स्त्रियों को शास्त्रकार बनाने हेतु विनोबा भावे का संकल्प

1951 में भूदान यज्ञ कार्य शुरू हुआ। विनोबा जी की पदयात्राओं में देशभर से बहुत महिलाएं शामिल हुईं। 1960 में असम में विनोबा की पदयात्रा डेढ़ साल चली। वहां भूदान, ग्रामदान का मुख्य काम स्त्री शक्ति के आधार से चला। पवनार आश्रम के संचालक गौतम बजाज के मुताबिक, विनोबा मानते थे कि बहनों के लिए शास्त्रकार होना और ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना जरूरी है। महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित पवनार आश्रम यानी ब्रह्म विद्या मंदिर भूदान आंदोलन से जुड़ा है। इसे विनोबा भावे ने उन महिलाओं के लिए स्थापित किया था, जो आध्यात्मिक जीवन जीना चाहती थीं। पवनार आश्रम में ब्रह्म विद्या मंदिर की साल 1959 में शुरूआत हुई। करीब एक दशक विनोबा पदयात्राओं में रहे। वे साल 1970 में फिर पवनार आश्रम आ गये व अंतिम समय तक यहीं रहे। पवनार आश्रम में व लंबी यात्राओं के दौरान विनोबा के सान्निध्य में रहे थे गौतम बजाज। जिन्होंने अपना जीवन विनोबा भावे के विचारों को समर्पित कर दिया है। वही अब पवनार आश्रम के संचालक हैं। ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना व विनोबा की यात्राओं को लेकर गौतम बजाज से कृपाशंकर चौबे की बातचीत। पवनार आश्रम यानी ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना व मकसद के बारे में गौतम बजाज ने बताया कि विनोबा जी का यह आश्रम तो 1938 से ही शुरू हो चुका था। विनोबा जी 1938 में यहां रहने के लिए आए। उन्होंने 1951 में भूदान यज्ञ का कार्य शुरू किया। उनकी पदयात्राएं देश भर में हुईं। उस यज्ञ में बहुत सी बहनें अपना कॉलेज, कैरियर, नौकरी सब छोड़कर शामिल हुईं। केरल से लेकर असम तक की बहनें इसमें साथ आयीं। विनोबा जी एक बात बार-बार कहते थे कि अब बहनों को भी ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। हमारे यहां बहुत संत बहनें हुई हैं। मीराबाई हैं, आंडाल हैं, ऐसे कई नाम हैं। विनोबा जी मानते थे कि बहनों के लिए शास्त्रकार होना और ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना बहुत जरूरी है। नहीं तो हमारे शास्त्र एकांगी रह जाएंगे। उनका यह भी कहना था कि हमको जो भी काम करना है- चाहे ग्राम सेवा का काम हो, खादी का काम या रुग्ण सेवा का- इन सब कामों के पीछे हमारी आध्यात्मिक निष्ठा होनी चाहिए। उसके बिना ये सारे अच्छे काम शून्यवत हो जाएंगे। इसलिए बहनों को आगे आना चाहिए। कई बहनें विनोबा जी से मिलती रहीं जिनको ब्रह्म विद्या की लालसा थी। विनोबा जी ने कहा कि ब्रह्म विद्या मंदिर में वे बहनें ही आएंगी जिनमें ब्रह्म विद्या की उपासना की इच्छा और सामाजिक क्रांति की भी तमन्ना हो। ऐसी कई बहनें जब तैयार हुईं तब विनोबा जी की पदयात्रा चल रही थी। राजस्थान के सीकर जिले के गांव काशी का बास जो जमुनालाल बजाज का जन्म स्थान है, वहां वर्ष 1959 में विनोबा जी ने ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना की घोषणा की। गौतम बजाज ब्रह्मविद्या मंदिर के आरंभ के बारे में बताते हैं कि ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना की घोषणा के उपरांत विनोबा जी की प्रेरणा से जो बहनें ब्रह्मविद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती थीं, वे अलग-अलग प्रांतों में पवनार आईं। कुछ बहनें कर्नाटक, कुछ बंगाल व कुछ गुजरात से तो कुछ केरल से थीं। दरअसल 25 मार्च 1959 को ब्रह्मविद्या मंदिर का स्थापना दिवस माना जाता है। इसी दिन विनोबा जी अथातो ब्रह्म जिज्ञासा कह कर यह घर छोड़ कर निकल पड़े थे। बहनें जब यहां आईं तब विनोबा जी यहां नहीं थे। विनोबा जी से पत्र व्यवहार द्वारा बहनें मार्गदर्शन लेती रहीं। कुछ बहनें कभी-कभी उनको यात्रा में मिलने जाती थीं। वहां बात होती थी। तब राजस्थान के बाद पंजाब व फिर जम्मू कश्मीर में विनोबा जी की यात्रा चली। इसके बाद उत्तर प्रदेश होते हुए वे 1960 में चंबल क्षेत्र में भी पहुंचे। वहां से यात्रा करके विनोबा जी इंदौर गए और फिर इंदौर से वे असम की तरफ निकले। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार व उत्तर बंगाल होते हुए उन्होंने असम में प्रवेश किया। असम में विनोबा जी की पदयात्रा अन्य क्षेत्रों के बजाय कुछ ज्यादा दिन क्यों चली, इस संबंध में पूछने पर गौतम बजाज का उत्तर था-असम में विनोबा जी की पदयात्रा डेढ़ साल चली। ब्रह्मपुत्र के उत्तर से भी ब्रह्मपुत्र के दक्षिण में भी दोनों तरफ से उन्होंने पूरे असम की पदयात्रा की और वहां यह भूदान, ग्रामदान ये सब काम खूब चला। वहां पर मुख्य काम स्त्री शक्ति के आधार से चला। असम में ब्रह्मचारिणी बहनों की बहुत तादाद थी और वहां गांधी जी ने बनाया हुआ कस्तूरबा ट्रस्ट था। उसको भी वे बहनें ही संभालती थीं। इनकी अगुवा अमल प्रभा दास थीं। उन्होंने सारी यात्रा का संचालन किया और लोगों ने भी पूरी मदद की।

सवाल भूदान, ग्रामदान की यात्राओं का आया तो बजाज ने स्पष्ट किया- मुझे मौका मिला यात्रा में साथ रहने का। विनोबा जी बीच-बीच में दूसरे काम से भी भेजते थे। जैसे उनकी किताब कोई छपनी हो तो कभी काशी भेज दिया, कभी असम में था तो गुवाहाटी। कभी-कभी हमारे सर्वोदय के ज्येष्ठ और वृद्ध व्यक्ति भी आते थे। जैसे दादा धर्माधिकारी आए थे तो उनके साथ कोई नहीं था। तो मुझे बुलाया कि इनकी सेवा में जाओ। विनोबा जी का कहना था कि सेवा करते-करते जो ज्ञान प्राप्त होगा, होगा। कहीं कोई चीज सिखानी हो उसके लिए भी भेजते। तो मैं विनोबा जी की समूची पदयात्रा में साथ रहा। 1964 में यहां पवनार आए। यहां एक साल वे रहे। थोड़े दिनों के लिए आये थे लेकिन स्वास्थ्य कारणों से एक साल के लिए यात्रा यहां रुक गई थी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के शताब्दी संदेश से बहुत कुछ प्रेरणा ले सकती है भाजपा

ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं', बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्रायः भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है,

जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है? यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताजा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है। लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है। ऐसे में जो आरएसएस अपनी स्थापना के शुरूआती दिनों से ही हिंदू राष्ट्र की बात पर मुखर रहा है, वह भी नरम हो रहा है। बता दें कि सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें गुरुजी कहा जाता है, ने इसे परिभाषित करते हुए कहा था कि भारत की आत्मा हिंदू है और यहां की संस्कृति की जड़ें हिंदुत्व से निकली हैं। वाकई संघ का शुरू से ही मानना रहा है कि हिंदू शब्द सिर्फ धार्मिक नहीं है, बल्कि इसमें सभ्यता, परंपरा, जीवनशैली और सामाजिक मूल्य सभी शामिल हैं। यही वजह है कि संघ हमेशा कहता रहा कि मुसलमान, ईसाई, पारसी या अन्य धार्मिक समूह भी इस राष्ट्र के उतने ही हिस्से हैं, जितने हिंदू। इसलिए यह बिल्कुल सीधा और साफ संदेश है कि भागवत का बयान संघ की पुरानी लाइन को ही दोहराता है। कहना न होगा कि आरएसएस सीधे सत्ता की राजनीति में शामिल नहीं होता है, बल्कि संघ की असली ताकत समाज-निर्माण, जनशिक्षा, जनसेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रम में है। इसलिए संघ प्रमुख के इस बात में कुछ भी नया नहीं है कि हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य संसद में बहुमत पाना नहीं है, बल्कि समाज को ऐसा बनाना है जिसमें नैतिकता, समरसता और सांस्कृतिक एकता स्थापित हो। लेकिन उनकी इस बात की टाइमिंग बहुत ही महत्वपूर्ण है। शायद यह हो सकता है ।

बाबासाहेब आंबेडकर की तरह पढ़ना और सोचना

विचारों को मंथन करने के लिए पढ़ें, न कि केवल विचारों के संचय के लिए, मन में विरोधाभासी विचारों को लेकर खुले मन से पढ़ें, पहले पढ़े गए विचारों के गुलाम न बनें। यही स्वतंत्र चिंतन शैली विकसित करने का तरीका है। जब हम किताबें पढ़ते हैं, तो हमें पिछली पढ़ी हुई किताब के गुलाम नहीं बनना चाहिए। हमें उस विशेष विषय पर पहले से पढ़ी गई सभी बातों को याद रखना चाहिए, और हमारे मन में उस किताब के बारे में एक विरोधाभास होना चाहिए, तभी हम अपने विचार बना सकते हैं। किसी किताब के विषय को पढ़कर और उसका विरोधाभास करके, हम अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर सकते हैं। मन को एक प्रकार की मशीन की तरह काम करना चाहिए और सभी तथ्यों को एकत्रित करना चाहिए, न कि सिनेमाग्राफ की तरह जहाँ एक के बाद एक चित्र आते हैं और चले जाते हैं। ज्ञान एक ईर्ष्यालु स्वामी है और भाषा को अनेक विचारों को व्यक्त करने के लिए लचीला होना चाहिए। अंग्रेजी ज्ञान निर्माण और अभिव्यक्ति की भाषा के रूप में योग्य है। ज्ञान एक बहुत ही ईर्ष्यालु स्वामी है, और अंग्रेजी एक बहुत अच्छी भाषा है क्योंकि यह लचीली है। हम इस भाषा में सब कुछ व्यक्त कर सकते हैं क्योंकि इसमें बहुत सारे रंग हैं। मुझे अंग्रेजी भाषा सबसे अच्छी लगती है। आपको अपनी भाषा में बहुत अच्छा होना चाहिए। इसे बेहतर बनाने के लिए आपको वाक्यांशों के नोट्स बनाने चाहिए और शब्दकोश में शब्दों के अर्थ देखने चाहिए। आपको बहुत अच्छी स्मृति विकसित करनी चाहिए। आपको जल्दबाजी में किताबें नहीं पढ़नी चाहिए। मैं एक किताब पढ़ने के बाद पूरी किताब को दो या तीन पन्नों में संक्षेपित कर देता हूँ, आपको भी यही करना चाहिए। मेरे पास कई इंडेक्स कार्ड हैं जिन पर मैं एक तरफ लेखक और संस्करण वर्ष के बारे में लिखता हूँ, और दूसरी तरफ किताब के विषय के बारे में। इसी अभ्यास के कारण मुझे नेपोलियन टाइम्स के पूरक रिकॉर्ड याद रहे। मैंने इसे 1921 में पढा था और 25 साल बाद भी 1946 में याद था। मैं कोलिंडेल (ब्रिटिश लाइब्रेरी का भंडार) गया और उस अंश को पढ़ा और उन दिनों अधूरी रह गई कुछ किताबें पूरी कीं। यह अछूतों की उत्पत्ति पुस्तक के लिए उपयोगी साबित हुआ। विचार संकट का परिणाम है, अन्यथा जीवन आदत का विषय है। हम हमेशा बिना सोचे-समझे एक ही रास्ते, एक ही रास्ते से चलते रहते हैं। लेकिन अगर हमारे सामने कोई असामान्य चीज जैसे कोई खाई या गड्ढा हो, तो हम रुककर सोचते हैं कि हमें उसे कूदकर पार करना चाहिए, रेंगकर जाना चाहिए या वापस लौट जाना चाहिए। आपको अपनी भाषा में हमेशा बल और सहमति का प्रयोग करना चाहिए। लोग मुझ पर दूसरों को चोट पहुँचाने का आरोप लगाते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमें बल और सहमति का प्रयोग करना चाहिए, बेशक अलग-अलग परिस्थितियों में इसका कुछ हद तक असर होना चाहिए। हमें खूब पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और खूब मन लगाकर पढ़ाई भी करनी चाहिए। जब मैं छात्र था, मेरा मन एक ही विषय पर स्थिर रहता था। मेरी रुचि केवल पढ़ने में थी, मैंने कभी किसी की परवाह नहीं की और न ही कभी दोस्त बनाए। मेरे लिए बस पढ़ना ही सब कुछ था और कुछ नहीं। मैं ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करता था। मैं किताबें सिर्फ इसलिए खरीदता था क्योंकि मुझे पढ़ने का बहुत शौक था। मेरी दो पसंदीदा चीजें चाय और किताबें हैं। उन दिनों मैं लगभग 3 या 4 सिनेमाघर देखता था। न्यूयॉर्क में मैं सुबह 8.30 बजे से रात 11.30 बजे तक लाइब्रेरी में पढ़ता था और दोपहर के भोजन के लिए आधे घंटे का ब्रेक लेता था।

मनोरंजन

बैंक के साथ 1396 करोड़ की धोखाधड़ी; 10 लग्जरी कारें, तीन सुपर बाइक और करोड़ों के आभूषण जब्त

नई दिल्ली । ईडी ने सीआईडी, हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा मेसर्स आईटीसीओएल और उसके प्रमोटरों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। आरोप लगाया गया है कि मेसर्स आईटीसीओएल के निदेशकों ने विभिन्न कंपनियों और सीए के अन्य आधिकारिक कर्मचारियों के साथ मिलकर बैंकों के एक संघ से लिए गए ऋणों का गबन किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), शिमला ने 30 अगस्त को ओडिशा के भुवनेश्वर में 2 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया, जिसमें शक्ति रंजन दाश का आवासीय परिसर और उन कंपनियों का व्यावसायिक परिसर शामिल है, जिनमें शक्ति रंजन दाश प्रबंध निदेशक हैं। ये परिसर मेसर्स अनमोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड (एएमपीएल) और मेसर्स अनमोल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड (एआरपीएल) से जुड़े हैं। यह तलाशी अभियान मेसर्स इंडियन टेक्नोमैक कंपनी लिमिटेड (मैसर्स आईटीसीओएल) के बैंक धोखाधड़ी मामले में चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के संबंध में पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत चलाया गया।

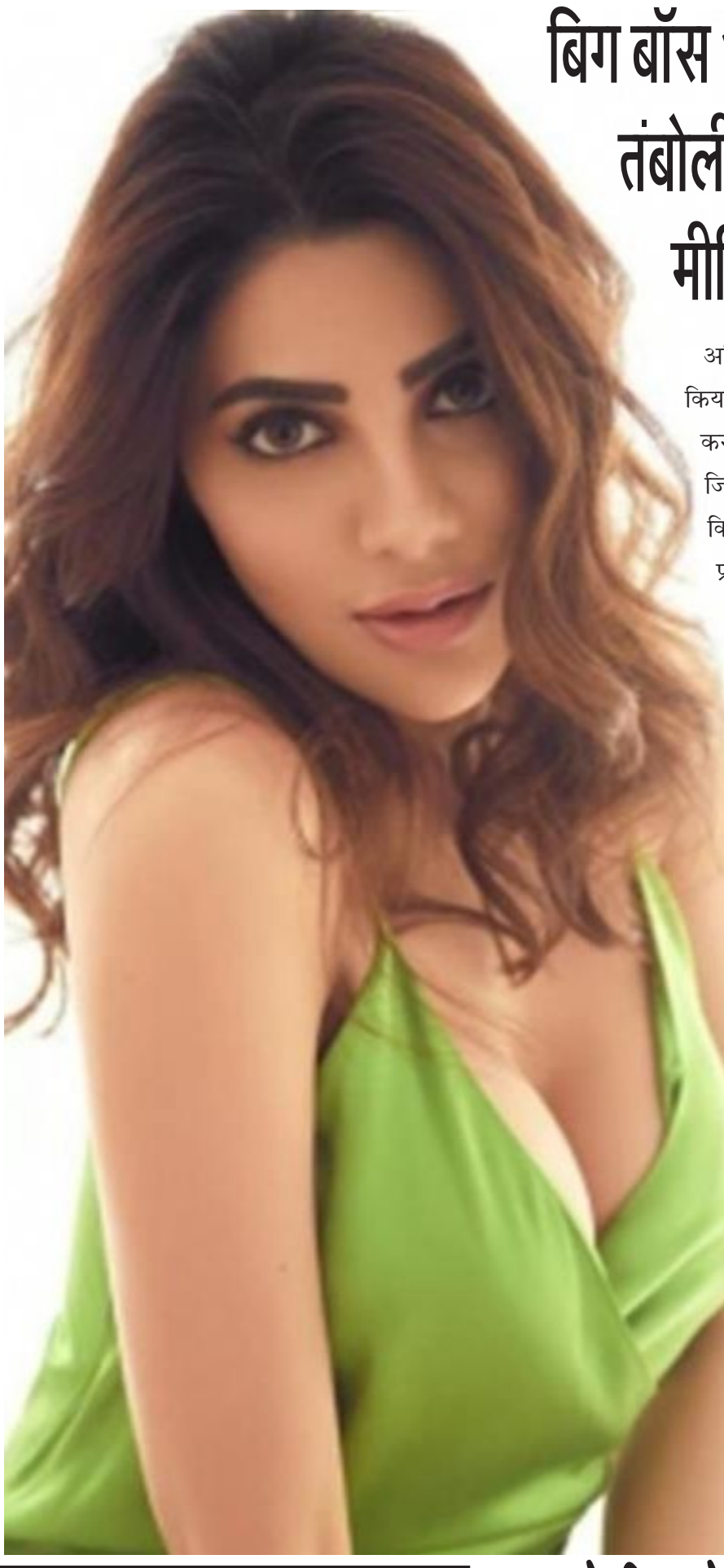

बिग बॉस 14 फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली को हुआ डेंगू, सोशल मीडिया पर खुद दी जानकारी

अभिनेत्री और 'बिग बॉस 14' फेम स्टार निक्की तंबोली ने खुलासा किया कि उन्हें डेंगू हो गया है। इस जानकारी ने उनके फैंस को हैरान कर दिया है। अभिनेत्री और रियलिटी शो स्टार निक्की तंबोली, जिन्हें बिग बॉस 14 से काफी पहचान मिली थी। एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि उन्हें डेंगू हो गया है। अभिनेत्री ने रविवार को अपने प्रशंसकों से हेल्थ अपडेट साझा किया। खराब सेहत पर किया था पोस्ट बीते दिनों निक्की तंबोली ने जानकारी दी थी कि उन्हें 103.6 डिग्री का बुखार है। इसके साथ ही उन्होंने गणेश चतुर्थी समारोह में भी शामिल नहीं हो पाने का दुख जताया था। उन्होंने लिखा था, गणपति बप्पा मुझे जल्दी से ठीक करें। मुझे आपके दर्शन लेने आना है। एक नजर निक्की तंबोली के करियर पर निक्की तंबोली

एक अभिनेत्री और मॉडल हैं, जिन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भाग लिया था। इस शो में वो सेकेंड रनरअप रही थीं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने कंचना 3 जैसी साउथ की फिल्मों में भी अभिनय किया है और वो कई म्यूजिक वीडियोज में भी दिखाई दे चुकी हैं। वहीं निक्की तंबोली को स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 11', 'द खतरा खतरा शो', 'बिग बॉस मराठी सीजन 5' और 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ इंडिया' जैसे शोज में भी नजर आ चुकी हैं।

प्रिया के निधन पर भाई सुबोध ने जताया शोक, बोले-मेरी बहन फाइटर थी, लेकिन कैंसर ने उनका पीछा नहीं छोड़ा

टीवी इंडस्ट्री से आज एक बेहद बुरी खबर सामने आई। श्पवित्र रिश्ताश जैसे लोकप्रिय शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली प्रिया मराठे का 31 अगस्त को निधन हो गया। वह सिर्फ 38 वर्ष की आयु में कैंसर के चलते इस दुनिया को अलविदा कह गईं। एक्ट्रेस के निधन से उनके परिवार और इंडस्ट्री में मातम छा गया गया है। इसी बीच हाल ही में प्रिया के भाई व मराठी एक्टर सुबोध भावे ने अपनी बहन के निधन पर शोक व्यकत किया है। प्रिया मराठे के चचेरे भाई और एक्टर सुबोध भावे ने अपनी बहन को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें फाइटर बहन बताया और कहा कि प्रिया ने हर मुश्किल का सामना बड़ी हिम्मत से किया, लेकिन आखिरकार बीमारी ने उनकी जिंदगी छीन ली। सुबोध ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बहन संग एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा-एक बेहतरीन एक्ट्रेस, कुछ धारावाहिकों और फिल्मों में मेरी सह-कलाकार। लेकिन मेरे लिए सबसे अहम रिश्ता उनके साथ था। प्रिया मेरी चचेरी बहन हैं। इस क्षेत्र में आने पर उन्होंने जो कड़ी मेहनत की, अपने काम पर उनका विश्वास, ये सब बातें काबिले तारीफ थीं। उन्होंने हर किरदार को पूरे दिल और लगन से निभाया। कुछ साल पहले उन्हें कैंसर का पता चला था। इससे लड़ने के बाद, उन्होंने फिर से काम करना शुरू कर दिया। वह फिर से नाटकों और धारावाहिकों में अपने सहज और खूबसूरत अभिनय से दर्शकों के सामने आईं, लेकिन कैंसर ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। हमारे धारावाहिक तू भेषी नव्याने के दौरान, उनकी परेशानियाँ एक बार फिर बढ़ गईं। उनके साथी ींदजंदनेउवहीम इस पूरे सफर में उनके साथ मजबूती से रहे। मेरी बहन एक योद्धा थीं, लेकिन आखिरकार उनकी ताकत कम हो गई।आपको भावभीनी श्रद्धांजलि प्रिय. आप जहाँ भी हों, आपको शांति मिले.ओम शांति बहुत कम लोग जानते होंगे कि प्रिया मराठे ने अपने करियर की शुरूआत स्टैंड-अप कॉमेडी से की थी और फिर धीरे-धीरे उन्होंने टीवी सीरियल्स की ओर अपना रुख किया और मराठी धारावाहिकों या सुखानोया और चार दिवस सासुचे से पहचान बनानी शुरू की, लेकिन असली शोहरत उन्हें हिंदी टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता में वर्शा के किरदार से मिली। इस शो में उन्होंने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर की थी। इस सीरियल के बाद उन्होंने बड़े अच्छे लगते हैं में ज्योति मल्होत्रा का किरदार निभाकर लोगों का दिल जीता। वहीं, मराठी शो तू तिथे मी में उन्होंने ग्रे शेड्स वाला नेगेटिव किरदार निभाकर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया।इसके बाद, साल 2017 में वह स्टार प्लस के मशहूर शो साथ निभाना साथिया से जुड़ीं, जहां उन्होंने भावनी राठौड़ का दमदार किरदार निभाकर अपनी अदाकारी की छाप छोड़ी, लेकिन अफसोस कैंसर की बीमारी ने हमसे टीवी की यह दमदार अदाकारा छीन ली।

हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आवाहन पर पूरे राष्ट्र में एक साथ 5 लाख विद्यालयों में शिक्षक और विद्यार्थी कल 1 सितंबर 2025 को साझा संकल्प लेंगे। इसी क्रम में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ लखनऊ इकाई द्वारा जनपद लखनऊ के समस्त विकास खंडों मे बृहद रूप से प्रातः प्रार्थना सभा में पांच प्रण संकल्पित करने की तैयारी की गई है।

पंच प्रण (विद्यार्थियों और शिक्षकों का साझा संकल्प)

1 हम मिलकर अपने विद्यालय को स्वच्छ, अनुशासित, हरित तथा प्रेरणास्पद बनाए रखेंगे।

2 हम विद्यालय के सम्पदा-संस्थान तथा समय का संरक्षण विवेकपूर्वक करेंगे।

3 हम विद्यालय में ऐसा वातावरण बनाएँगे जहाँ कोई भेदभाव न हो और सब समभाव से सीखने-सिखाने के पथ पर अग्रसर रहें।

4 हम शिक्षा को केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र-निर्माण, आत्मविकास और समाज-सेवा का साधन मानकर कार्य करेंगे।

5 हम विद्यालय को केवल संस्था नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और समर्पण का तीर्थ मानकर उसका गौरव बढ़ाने हेतु सतत प्रयत्नशील रहेंगे।

यह संकल्प हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ है हमारी आत्मा का अभिमान है और राष्ट्र निर्माण का आधार है को चित्रार्थ करेगा।

सास के निधन के बाद चिरंजीवी ने पूरी की उनकी आखिरी इच्छा, संसार में न होकर भी किसी की जिंदगी को रोशन करेंगी अल्लू कनकरत्नम

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की दादी और पद्म श्री सम्मानित अभिनेता अल्लू रामलिंगैया की पत्नी अल्लू कनकरत्नम का 30 अगस्त 2025 को 94 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी अंतिम विदाई में पूरा अल्लू परिवार शामिल हुआ, जिसमें अल्लू अर्जुन, राम चरण, और चिरंजीवी भी मौजूद थे। वहीं, कनकरत्नम के निधन के बाद उनके दामाद व एक्टर चिरंजीवी ने उनकी आखिरी इच्छा भी पूरी कर दी है, जिसका खुलासा उन्होंने हाल ही में किया है। अल्लू कनकरत्नम की आंखें दान करने की इच्छा थी। ऐसे में चिरंजीवी ने अपनी सास की अंतिम इच्छा पूरी करने का खुलासा करते हुए कहा हमने कुछ समय पहले एक बातचीत के दौरान उनसे पूछा था कि क्या वो निधन के बाद अपनी आंखें दान करना चाहेंगी। उन्होंने तुरंत कहा था हां।उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्हें निधन की खबर मिली, वह सबसे पहले अल्लू अरविंद के घर पहुंचे। अल्लू अरविंद उस समय बेंगलुरु में थे। चिरंजीवी ने उनसे पूछा कि क्या वह अपनी मां की आंखें दान करने को तैयार हैं। अल्लू अरविंद ने तुरंत सहमति दी। चिरंजीवी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बताया कि उन्होंने अपने संगठन माय ब्लड बैंक से तुरंत संपर्क किया और नेत्रदान की पूरी प्रक्रिया को समय रहते पूरा करवाया। उनकी मौत के बाद भी उनकी आंखें किसी और की जिंदगी में रोशनी भर सकें- यही उनका सपना था। हम खुश हैं कि हम उनकी ये अंतिम इच्छा पूरी कर पाए, चिरंजीवी के इस फैसले की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है।

मुझे आत्मदाह के सिवा कुछ नही सूझ रहा..पवन सिंह के बैड टच विवाद के बीच पत्नी का शॉकिंग पोस्ट, पति से कर रही ऐसी मिन्नतें

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह इन दिनों हरियाणवी सिंगर अंजलि राघव को गलत तरीके से छूने के वीडियो को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। हालांकि, इस वीडियो पर एक्टर अपनी सफाई देते हुए माफी भी मांग चुके हैं, लेकिन मामला अभी शांत नहीं हुआ है। इन सब के बीच अब हाल ही में पवन सिंह की दूसरी पत्नी ज्योति सिंह का शॉकिंग पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने बड़े दुखी मन से दिल की बात कही है। अपने पति पवन सिंह संग संबंधों को लेकर दूसरी पत्नी ज्योति सिंह ने एक फोटो शेयर की, जिसमें सिंगर अपनी वाइफ की मांग में सिंदूर भरते हुए नजर आ रहे हैं। ज्योति

के इंस्टा पोस्ट कैप्शन में लिखा- आदरणीय पति पवन सिंह मैं कई महीनों से आप से कुछ पारिवारिक और राजनीतिक मुद्दों पर बात करने की कोशिश कर रही हूं। लेकिन आपने या आपके साथ रहने वालों लोगों ने मेरे कॉल या मैसेज का रिप्लाई देना उचित नहीं समझा। मैं लखनऊ भी आपसे मिलने पहुंची पर वहां पर भी मुलाकात नहीं हो पाई। मेरे पिता भी दो महीने पहले आपसे मिलने गए, लेकिन कोई हल नहीं निकला। उन्होंने आगे लिखा- मेरी ये समझ में नहीं आता है कि मैंने दुनिया का ऐसा कौन सा बड़ा पाप कर दिया है, जिसकी इतनी बड़ी सजा मुझे मिल रही है। मेरे माता-पिता की इज्जत से खेलने का काम किया जा रहा है। अगर मुझ अलग ही रहना था तो लोकसभा चुनाव में झूठा आश्वासन देखकर अपने साथ क्यों लाए। मुझे आत्मदाह के सिवा कुछ नही सूझ रहा हैं। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती, अगर मैं आत्मदाह करूंगी भी तो सवाल मुझ पर ही उठेंगे और मेरे मां बाप पर उठेंगे। सात सालों से मैं संघर्ष कर रही हूं और नहीं हो सकता। अब मुझे अपने ही जीवन से नफरत होती जा रही है। एक बार आप मुझसे बात कर लीजिए मेरे कॉल मैसेज का रिप्लाई दे दीजिए कभी तो मेरा दर्द समझिए। मैंने अपना पत्नी धर्म निभाया है और अब आप भी ऐसा करिए ना। पवन सिंह इस वक्त अंजलि राघव को गलत तरीके से छूने के मामले को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। हालांकि, पवन की पत्नी ज्योति सिंह ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ईशा कोप्पिकर ने मनाया गणेश उत्सव, बोलीं- यही प्रार्थना है कि बुद्धि और शांति हमेशा सही रहे

ईशा कोप्पिकर के जीवन में गणेश उत्सव का बहुत अधिक महत्व है। यह त्योहार उनके मन और जीवन को खुशियों से भर देता है। उन्हें इस पावन पर्व पर गणपति बप्पा का आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलता है। गणेश उत्सव से जुड़े अपने अनुभव और भावनाएं ईशा कोप्पिकर अमर उजाला के साथ साझा कर रही हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार हर घर में उत्साह, भक्ति और उल्लास लेकर आता है। एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर के लिए भी गणपति बप्पा का आगमन बेहद खास होता है। बचपन से ही वो इस पर्व को मनाती आ रही हैं, अब वह अपनी बेटी रियाना के साथ पूरे मन से गणपति बप्पा का स्वागत करती हैं। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर उन्होंने इस त्योहार की अहमियत के बारे में बताया। गणेश उत्सव के अवसर पर अमर उजाला डिजिटिल से लंबी बातचीत की। गणपति बप्पा हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। वो हमारे ईष्ट देवता हैं। बचपन से ही मैं गणेश चतुर्थी मना रही हूं। जब से मैं पैदा हुई हूं, तब से ही घर पर गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। हर साल बप्पा का स्वागत करते समय आपके घर में कोई खास रिवाज या परंपरा है? हां, बहुत साल से हम सोने से बने गणपति बप्पा को पूजते थे और आराधना करते थे। मोदक और लड्डू गणपति बप्पा को बहुत पसंद हैं, इसलिए वो घर पर ही बनते हैं। साथ ही ट्रेडिशनल सारस्वत खाना बनता है, जो गणपति स्थापना के दिन सबसे पहले बप्पा को चढ़ाया जाता है। यह खाना घरवालों के हाथ का बना होता है और बहुत स्वादिष्ट लगता है। अब तक के गणपति सेलिब्रेशन में आपकी सबसे प्यारी याद कौन-सी रही है? सच कहूं तो मैं कोई एक याद चुन ही नहीं सकती। हर साल गणपति बप्पा के साथ नई यादें बनती हैं। लेकिन बचपन की यादें ज्यादा गहरी हैं, क्योंकि बचपन में ही बप्पा से जुड़ाव हुआ, वह आज तक मेरे दिल में बसा है।

ट्रंप ने जिसे आधार बनाया, उस आपातकाल कानून में टैरिफ का जिक्र नहीं; केवल 150 दिन तक 15% शुल्क का हक

अमेरिकी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस कानूनी प्रावधान की आड़ में भारत समेत कई देशों पर मनमाने टैरिफ लगाए हैं, उस आपातकाल कानून में टैरिफ का जिक्र तक नहीं है। देश के व्यापार कानून के तहत ट्रंप को केवल 150 दिन तक 15% टैरिफ लगाने का हक है। खुद अमेरिका के अपीलीय कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि आईईईपीए कानून में शुल्क लगाने के लिए कोई प्रावधान नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि टैरिफ मुद्दे पर संघीय अपीलीय कोर्ट के फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। व्यापार घाटे को आर्थिक आपातकाल बताकर भारत समेत कई देशों पर थोपे गए टैरिफ पर उनकी दलीलें सुप्रीम कोर्ट में कितनी खरी उतरेंगी, ये तो बाद में ही पता चलेगा। लेकिन, इतना तो साफ है कि उन्होंने आर्थिक आपातकाल से जुड़े जिस कानून को आधार बनाया है, उसमें टैरिफ शब्द का जिक्र तक नहीं है। विभिन्न देशों में टैरिफ लगाने के लिए ट्रंप ने दशकों पुराने आर्थिक आपातकालीन कानून आईईईपीए का सहारा लिया है, जो विदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर वित्तीय प्रतिबंध लगाने, विदेशी व्यक्तियों और संस्थाओं की आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रण रखने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए असाधारण खतरों से निपटने के उपाय करने की अनुमति तो देता है।

संघीय अदालत के फैसले के बाद

अब ट्रंप के टैरिफ का क्या होगा भारत को मिल सकता है बड़ा फायदा

वॉशिंगटन। संघीय अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने का फैसला लिया, लेकिन इस कानून में टैरिफ शब्द का उल्लेख ही नहीं है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मनमाने तरीके से दुनिया के विभिन्न देशों पर भारी-भरकम टैरिफ थोप दिया है, जिनमें भारत भी शामिल है। अब अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप की राह में रोड़े अटका दिए हैं। यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि ट्रंप ने देशों पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी शक्तियों का सीमा से आगे बढ़कर इस्तेमाल किया। संघीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफ को गलत बताया और उस पर रोक लगाने का आदेश दिया। हालांकि ये आदेश तुरंत लागू नहीं होगा और अदालत ने ट्रंप प्रशासन को अक्तूबर तक सुप्रीम कोर्ट में अपील का समय दिया है, तब तक टैरिफ लागू रहेगा। टैरिफ पर रोक लगी तो अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये से हाथ धोना पड़ेगा संघीय अदालत का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका है क्योंकि उनकी व्यापार नीतियों ने वित्तीय बाजार में भारी उथल-पुथल मचा रखी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का समय है, बढ़ती महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि ने दुनिया को मंदी की तरफ धकेल दिया है। अब अगर टैरिफ पर भी रोक लग जाती है तो इससे अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये भी अटक जाएंगे। हालांकि विदेशी स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल पर लगाए गए टैरिफ पर अदालत ने रोक नहीं लगाई है क्योंकि ये आयात अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। जिस कानून के तहत ट्रंप ने टैरिफ लगाया, अदालत ने उस पर उठाए सवाल संघीय अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने का फैसला लिया, लेकिन इस कानून में टैरिफ शब्द का उल्लेख ही नहीं है। अदालत ने कहा कि टैरिफ लगाने की मूल शक्ति अभी भी अमेरिकी संसद के पास है। अब अदालत के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन के पास दो ही रास्ते बचे हैं कि या तो वे सुप्रीम कोर्ट जाएं और या फिर वे संसद से टैरिफ को पारित कराएं। हालांकि दोनों ही जगह ट्रंप प्रशासन को खासी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। भारत को मिलेगा फायदा अमेरिका अदालत ट्रेडर्स और संगठनों ने ट्रंप प्रशासन के फैसले के खिलाफ अपील की थी, लेकिन इस अपील में मेक्सिको, चीन और कनाडा पर लगाए गए टैरिफ का विरोध किया गया था। हालांकि अगर टैरिफ पर रोक लगती है तो उसका फायदा सभी देशों को होगा, जिनमें भारत भी शामिल है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है और अगर सुप्रीम कोर्ट संघीय अदालत के फैसले को बरकरार रखता है तो भारत पर टैरिफ घटकर 15 प्रतिशत तक हो सकता है।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट के शौचालय में आई समस्या

ब्रिसबेन। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की बाली से ब्रिसबेन जा रही फ्लाइट में टॉयलेट खराब होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उड़ान के दौरान सभी टॉयलेट बंद हो गए, जिससे यात्रियों को बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। सोशल मीडिया पर लोगों ने बदबू और असुविधा को लेकर नाराजगी जताई। यात्रियों ने बताया कि 6 घंटे की यह यात्रा बेहद कष्टदायक रही। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की एक फ्लाइट से अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां यात्रियों को यात्रा के दौरान शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब टॉयलेट खराब हो जाने के कारण उन्हें बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। यह घटना पिछले हफ्ते बाली (इंडोनेशिया) से ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) आ रही फ्लाइट में हुई। यह फ्लाइट बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित हो रही थी और गुरुवार दोपहर डेनपसार से रवाना हुई थी। उड़ान के समय एक पिछला टॉयलेट पहले से ही मरम्मत के चलते बंद था। लेकिन यात्रा के दौरान बाकी टॉयलेट भी खराब हो गए, जिससे यात्रियों को 6 घंटे की उड़ान में टॉयलेट की सुविधा नहीं मिली। यात्रियों ने बताया अपना अनुभव विमान में हुए इस कृत्य के बारे में यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान एक यात्री ने कहा कि आखिरी तीन घंटे बेहद मुश्किल भरे थे। कुछ लोगों को बोतल में पेशाब करना पड़ा, तो कई यात्री बदबू और असहजता से परेशान दिखे। बुजुर्ग महिला को करना पर दिक्कत का सामना यात्री ने बताया स्थिति इतनी खराब हो गई कि एक बुजुर्ग महिला के खुद को नहीं रोक पाने की वजह से वह सार्वजनिक रूप से पेशाब कर बैठीं, जिससे उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। वहीं एक यात्री ने बताया कि फ्लाइट के बीच में ही सभी टॉयलेट काम करना बंद कर दिए। बाकी समय हमें बोतल में या फिर पहले से गंदे टॉयलेट में ही पेशाब करने को कहा गया। यह अपमानजनक और तनावपूर्ण था।

यूएस टैरिफ से बचने के लिए नाइजीरिया में उत्पादन की पेशकश

लागोस। लाडोजा ने कहा कि अमेरिका के अलावा, एलएफजेड से

दुनिया के अन्य प्रमुख वैश्विक बाजारों तक भी पहुंच आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया में बने सामान यूरोपीय संघ के देशों में जीएसपी से फायदे में रहते हैं और उन्हें कम शुल्क या शून्य शुल्क देना पड़ता है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिससे भारत का करीब 49 अरब डॉलर का व्यापार प्रभावित होने की आशंका है। अब नाइजीरिया ने भारत के उद्योगों के सामने एक पेशकश की है। नाइजीरिया ने उसके लागोस मुक्त क्षेत्र (एलएफजेड) में निर्माण करने की पेशकश की है। लागोस मुक्त क्षेत्र से अमेरिका और दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों तक आसान पहुंच मिलती है। एलएफजेड की प्रबंध निदेशक और सीईओ अदेसुवा लाडोजा ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय कंपनियों खासकर, कपड़ा, चमड़ा और ऑटोमोबाइल के लिए कड़ी चुनौती पेश की है। अमेरिका और दुनिया के बाजारों में मिलेगी आसान पहुंच लाडोजा ने कहा कि 'लागोस मुक्त क्षेत्र की खासियत यह है कि अमेरिका को नाइजीरियाई निर्यात पर 14 प्रतिशत तक का न्यूनतम शुल्क लगता है, जो कई अन्य देशों पर लागू शुल्कों से काफी कम है। ऐसे में भारतीय कंपनियां एलएफजेड में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित कर कम टैरिफ में अमेरिका सामान भेज सकती हैं। लाडोजा ने कहा कि अमेरिका के अलावा, एलएफजेड से दुनिया के अन्य प्रमुख वैश्विक बाजारों तक भी पहुंच आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया में बने सामान यूरोपीय संघ के देशों में जीएसपी से फायदे में रहते हैं और उन्हें कम शुल्क या शून्य शुल्क देना पड़ता है। अफ्रीकी महाद्वीप के बाजारों में भी मिलेगा प्रवेश लाडोजा ने यह भी बताया कि एलएफजेड में उत्पादन से अफ्रीकी महाद्वीप के 1.4 अरब की आबादी वाले बाजार में भी पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'एलएफजेड केवल लागत-बचत वाला विकल्प ही नहीं है, बल्कि यह एक व्यापार रणनीति भी है, जो भारतीय कंपनियों का जोखिम कम करती है। गौरतलब है कि टाटा इंटरनेशनल ने लागोस मुक्त क्षेत्र में एक असेंबली प्लांट स्थापित किया है। इस सुविधा से टाटा, नाइजीरियाई बाजार के लिए वाणिज्यिक वाहनों की असेंबली करता है।

ट्रंप की टैरिफ-हठधर्मिता के बीच तीन दिग्गज एक मंच पर

न्यूयॉर्क। रूस-भारत-चीन साथ मिलकर नई वैश्विक व्यवस्था की इबारत लिख सकते हैं। अमेरिकी टैरिफ नीति के कारण व्यापारिक मोर्चे पर मची उथल-पुथल के बीच इस तिकड़ी का साथ आना पूरी तस्वीर बदल सकता है। चीन में एससीओ समिट के बाद रूस ने आरआईसी की सहयोग बढ़ाने की पहल की है। भारत की नजर में बहुध्रुवीय विश्व को देखते हुए यह अधिक स्वायत्तता का अवसर है। जानिए क्या है पूरा मामला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अलास्का बैठक रूस-यूक्रेन जंग रोकने में भले ही सफल न हुई हो। लेकिन इसने एक बात तो साबित कर दी कि वैश्विक कूटनीति में रूस का दबदबा अब भी बरकरार है। अलास्का बैठक के बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने नई दिल्ली की यात्रा की। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ रणनीतिक चर्चाएं भी कीं। अब तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी के साथ एशिया के तीन दिग्गज देश एक मंच पर होंगे। भारत-चीन वैश्विक व्यापार अनिश्चितता के बढ़ते दौर में अपने संबंधों को पुनर्संतुलित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। इसके बीच ही रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की तरफ से रूस-भारत-चीन (आरआईसी) के बीच सहयोग को पुनर्जीवित करने के आह्वान ने नए सिरे से बहस छेड़ दी है कि त्रिपक्षीय कूटनीति एशिया को स्थिर करने में कैसे मदद कर सकती है। खासकर ऐसे समय पर इस तिकड़ी का साथ आना काफी अहम माना जा रहा है जब अमेरिकी टैरिफ से व्यापारिक मोर्चे पर काफी उथल-पुथल मचा रखी है। विश्लेषकों का मानना है कि अलास्का बैठक इस मायने में अहम साबित हुई कि मास्को की निर्णायक भूमिका को प्रतिबंधों या कूटनीतिक दबाव से मिटाया नहीं जा सकता। बहरहाल, भारत के लिए ये बैठक इसलिए खास नहीं थी कि रूस की वैश्विक मंच पर दमदार वापसी हुई बल्कि उसके लिए व्यापक बहुध्रुवीय परिदृश्य में इसके संकेत अधिक मायने रखते हैं।

भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ रूस-चीन एकजुट

बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस और चीन ने ब्रिक्स देशों के विकास में बाधा डालने वाले भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ साझा रुख अपनाया है। शंघाई सहयोग संगठन

(एससीओ) सम्मेलन में भाग लेने तियानजिन पहुंचे पुतिन ने बताया कि दोनों देश ब्रिक्स को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में और सक्षम बना रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रविवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में हिस्सा लेने के लिए चीन के तियानजिन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने ब्रिक्स देशों के सामाजिक-आर्थिक विकास में रुकावट डालने वाले भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ साझा रुख अपनाया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ को दिए गए एक लिखित इंटरव्यू में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन मिलकर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। साथ ही ब्रिक्स को वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए और सक्षम बना रहे हैं। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर 10% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ब्रिक्स में अब ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा सऊदी अरब, ईरान, इथियोपिया, मिस्र, अर्जेंटीना और यूएई को भी शामिल है। आईएमएफ और विश्व बैंक में सुधार की बात पर जोर पुतिन ने आगे कहा कि रूस और चीन आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे वैश्विक वित्तीय संस्थानों में सुधार का समर्थन करते हैं।

ट्रंप, भारत से स्कूली बच्चों जैसा व्यवहार कर रहे, वे इतिहास से वाकिफ नहीं

वॉशिंगटन। सांचेज बोले- भारत का वैश्विक इतिहास में योगदान यूरोप और मेसोपोटामिया से बिल्कुल भी कम नहीं है। लेकिन जब आप उसे स्कूली बच्चा समझते हैं तो भारत अमेरिका को कहता है कि आप हमें नहीं बताएंगे कि हमें क्या करना है। यह परिवर्तनकारी समय है। अमेरिका के वरिष्ठ पत्रकार रिक सांचेज ने भारत पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी सरकार की तीखी आलोचना की है। सांचेज ने कहा है कि ट्रंप सरकार को भारत के इतिहास और उसकी अहमियत का कोई अंदाजा नहीं है और यही वजह है कि वे बिना सोचे समझे फैसले ले रहे हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में सांचेज ने कहा कि ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो द्वारा यूक्रेन युद्ध को मोदी का युद्ध कहने पर कहा कि 'उनका बयान पर हंसा ही जा सकता है। वे कोई बहुत बुद्धिमान व्यक्ति नहीं हैं और न ही वे कोई बड़े विचारक हैं। भारत के इतिहास के बारे में नहीं जानता ट्रंप प्रशासन सांचेज ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ के बारे में मेरे देश की समझ बहुत सीमित है। वे भारत के इतिहास, भारत और चीन के रिश्तों और

रूस-यूक्रेन के रिश्तों के बारे में कुछ नहीं जानते। तभी वे मूर्खतापूर्ण बयान देते हैं। नव-रूढ़िवादी, हथियार उद्योग से जुड़े लोग ट्रंप को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कहीं न कहीं ट्रंप को अहसास है कि उन्होंने गलत मोड़ ले लिया है और यही वजह है कि ट्रंप अब ग्लोबल साउथ और यूरोपीय संघ को बराबर महत्व देते दिखाई दे रहे हैं और संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।' दुनिया के लिए ये बेहद अहम समय रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले की आलोचना करते हुए सांचेज ने कहा कि 'यह बेहद अहंकारी नीति है। ट्रंप प्रशासन, भारत से स्कूली बच्चे जैसा व्यवहार कर रहा है। लेकिन भारत कोई स्कूली बच्चा नहीं है बल्कि एक बड़ी ताकत है। भारत का एक इतिहास है, उसके पास संसाधन हैं और काफी क्षमताएं हैं। भारत ने दुनिया के लिए जो किया है, वह बेहद अहम है। भारत का वैश्विक इतिहास में योगदान यूरोप और मेसोपोटामिया से बिल्कुल भी कम नहीं है। लेकिन जब आप उसे स्कूली बच्चा समझते हैं तो भारत अमेरिका को कहता है कि आप हमें नहीं बताएंगे कि हमें क्या करना है। यह परिवर्तनकारी समय है। इतिहासकार जब पीछे मुड़कर देखेंगे तो ये वो पल होगा, जब दुनिया की महाशक्ति अमेरिका के प्रभुत्व में कमी आनी शुरू हुई। अब ताकत ग्लोबल साउथ की तरफ स्थानांतरित हो रही है, जिसमें भारत, चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे देश हैं।' अमेरिकी पत्रकार सांचेज ने ये भी कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष में मध्यस्थता का श्रेय ट्रंप को नहीं दिया है, जिससे ट्रंप निजी तौर पर भारत से नाराज हैं और 50 फीसदी टैरिफ लगाने के पीछे ये भी एक वजह है।

भारत के अडिग रुख से खिसियाए ट्रंप, अब यूरोपीय देशों से भी नई दिल्ली पर टैरिफ लगाने को कहा

वॉशिंगटन। जहां अमेरिका का दावा है कि भारत रूसी तेल खरीद रहा है और उससे मुनाफा कमा रहा है, वहीं अधिकांश यूरोपीय देश इस मुद्दे पर काफी हद तक चुप रहे हैं। अब ट्रंप उन पर भारत के खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव बना रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत से चिढ़े हुए हैं। दरअसल वे अपने वादे के अनुसार, अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध नहीं रुकवा पाए हैं और अब उन्होंने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ना शुरू कर दिया है। ट्रंप का कहना है कि भारत द्वारा रूस से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीदा जा रहा है, जिससे यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषण मिल रहा है। इसी का बहाना बनाकर ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया। हालांकि उनका ये दांव भी फीका रहा और भारत पर इसका बहुत ज्यादा असर होता नहीं दिख रहा है। इससे ट्रंप लग रहा है कि और चिढ़ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब ट्रंप यूरोपीय देशों पर भी दबाव बना

रहे हैं कि वे भी रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाएं। भारत के खिलाफ यूरोपीय देशों को भड़का रहे ट्रंप मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, व्हाइट हाउस ने यूरोपीय देशों से भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका जैसे प्रतिबंध लगाने को कहा है, जिसमें नई दिल्ली से खरीदे जाने वाले सभी तेल और गैस पर पूरी तरह से रोक लगाना भी शामिल है। गौरतलब है कि यूरोपीय नेता भी यूक्रेन में युद्ध समाप्त कराने के पक्ष में हैं। हालांकि जहां अमेरिका का दावा है कि भारत रूसी तेल खरीद रहा है और उससे मुनाफा कमा रहा है, वहीं अधिकांश यूरोपीय देश इस मुद्दे पर काफी हद तक चुप रहे हैं और उन्होंने ट्रंप के टैरिफ कदम का खुलकर समर्थन या विरोध नहीं किया है। इस बात से भी नाराज हैं ट्रंप अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई के बीच हुए संघर्ष को लगातार रुकवाने का दावा किया है।

यूक्रेनी सांसद एंड्री पारुबी की गोली मारकर हत्या

दुनिया। यूक्रेन के सांसद और पूर्व संसद अध्यक्ष एंड्री पारुबी की ल्विव में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे सुनियोजित हमला बताया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे भयावह और पूर्व नियोजित अपराध बताया। यूरोपीय संसद अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति पोरोशेंको ने भी इस हत्याकांड पर शोक जताया है। यूक्रेन के सांसद और संसद के पूर्व प्रमुख एंड्री पारुबी की ल्विव शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे 'सुनियोजित हमला' बताया है। हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और फरार अपराधी की तलाश जारी है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हत्या को 'भयावह अपराध' बताया। इसके बाद शोक जताते हुए उन्होंने इसे पूर्व नियोजित हत्या बताया। जेलेंस्की ने

कहा कि ये एक सोची समझी साजिश है। हत्याकांड की जांच कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार सभी संसाधन झोंकेगी। यूरोपीय संसद अध्यक्ष ने जताया दुख वहीं पारुबी की हत्या के बाद यूरोपीय संसद अध्यक्ष रोबर्टा मेटसोला और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको ने भी गहरा दुख जताया। पोरोशेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सेना, भाषा और आस्था पर हमला है। एंड्री परुबी यूक्रेन के सच्चे सपूत थे। यह एक आतंकवादी हमला है और दोषियों को सजा मिलनी ही चाहिए। फिलहाल हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई है। पारुबी ने घटनास्थल पर ही तोड़ा दम मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पारुबी को कई बार गोली मारी गई। इससे पहले कोई मदद या फिर आपातकालीन सेवाएं पहुंच पातीं, उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हमलावर शॉर्ट बैरल वाले हथियार से लैस था और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पूरी तरह से तैयार होकर हत्या के इरादे से आया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।